राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,02 नवेम्बर–2021 वर्ष–4,अंक–282 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के सचिन होजीवाला इंडस्ट्रियल एस्टेट की नहर में मिली 9 माह की बच्ची की लाश, शरीर पर चोट का एक भी निशान नहीं

क्रांति समय,सूरत

सूरत के सचिन होजीवाला इंडस्ट्रियल एस्टेट की नहर में नौ महीने की बच्ची मृत पाई गई। पीएसआई एसआई देसाई ने कहा कि लड़की का शव २४ घंटे पहले मिला था और उसके शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे। भेस्तान के पास प्लास्टिक की थैली में एक और लावारिस बच्ची का शव मिलने के बाद पुलिस फरार है। बच्ची का शव क्षत विक्षत अवस्था में मिला।एसआई देसाई (पीएसआई, सचिन जीआईडीसी) ने बताया कि सूचना सुबह करीब नौ बजे की है। जब वे मौके पर पहुंचे तो एक बालिका का क्षत-विक्षत शव नहर के पानी में मिला। सभी तरह के स्पॉट चेक के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल लाया गया। लड़की के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं।लड़की के शरीर पर एक टी-शर्ट और चड्डी मिली है। फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम में चोट के कोई निशान नहीं मिले। हालांकि शुरूआती जांच में पता चला कि बच्ची ९ महीने की थी। पुलिस फिलहाल उस परिवार या मां की तलाश कर रही है जिसने लड़की को छोड़ दिया था।

PAAS नेता अल्पेश कथिरिया की सूरत में बीजेपी नेता से सगाई,काव्या पटेल रह चुकी हैं पार्षद

क्रांति समय,सूरत

सूरत,पाटीदार आंदोलन से सामने आए दो युवाओं में से एक हार्दिक पटेल के बाद अब अल्पेश कथिरिया भी ठीक होने की ओर बढ़ गए हैं. अल्पेश कथिरिया पाटीदार अनामत आंदोलन के माध्यम से सामने आए और उन्हें सूरत और पूरे गुजरात के पाटीदारों में मजबूत पकड़ वाले युवा नेताओं में से एक माना जाता है।

भाजपा की पूर्व महिला पार्षद काव्या पटेल के साथ अल्पेश कथिरिया की नई जिंदगी की शुरूआत होने वाली है। कामराज के होटल में अल्पेश कथिरिया की सगाई ने भी लोगों में भाजपा नेता से उनकी सगाई को लेकर उत्सुकता जगा दी है।

PAAS के संयोजक अल्पेश कथिरिया ने आज बीजेपी की एक पूर्व महिला पार्षद के साथ शादी के बंधन में बंध गए। अल्पेश कथिरिया ने कामराज के फाउंटेन होटल में काव्या पटेल से सगाई की थी। काव्या पटेल कनकपुर कंसड नगर पालिका की उपाध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

अल्पेश की सगाई के बाद , हार्दिक पटेल कांग्रेस में शामिल हो गए और अल्पेश एक गैर-राजनीतिक चेहरे के रूप में उभरे और पाटीदारों के बीच उनकी लोकप्रियता आसमान छू गई। अल्पेश भी अपने स्पष्ट और निडर विचार व्यक्त कर राजनीतिक हलकों में हलचल मचाते रहते हैं। हालांकि हाल ही में सूरत में आप को बड़ी सफलता देने के बाद संभावना जताई जा रही थी कि वह आप में शामिल हो जाएगी। अल्पेश की भाजपा नेता से सगाई ने कई तर्कों को जन्म दिया है।

काव्या पटेल अल्पेश के खिलाफ देशद्रोह के आरोप में बीजेपी के बैनर तले पार्षद भी रह चुकी हैं.

उल्लेखनीय है कि अल्पेश कथिरिया राजद्रोह समेत कई अपराधों में जेल भी जा चुके हैं। फिलहाल यह पाटीदार आरक्षण के मुद्दे पर हमेशा सुर्खियों में रहती है। इसके अलावा उनका चेहरा बीजेपी विरोधी चेहरों में भी माना जाता है।

हार्दिक पटेल के बाद पास के संयोजक अल्पेश कथिरिया परिणय सूत्र में बंधेंगे

अमित शाह ने अहमदाबाद में सबसे लंबे एलिवेटेड कोरिडोर का लोकार्पण किया

क्रांति समय,सूरत

केन्द्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अहमदाबाद के गोता फ्लाइ ओवर ब्रिज से सायंस सिटी फ्लाइ ओवर तक एलिवेटेड कोरिडोर का लोकार्पण किया। 170 करोड़ की लागत से नवनिर्मित 2.36 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड कोरिडोर से वाहन चालकों को जाम से निजात मिलेगी और समय से पहले अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसदीय क्षेत्र में आनेवाले एसजी हाईवे पर बने इस एलिवेटेड कोरिडोर से सोला भागवत, कारगिल पेट्रोल पंप, जनता नगर और जायड्स समेत चार महत्वपूर्ण रोड जंक्शनों को सीधा लाभ होगा। थलतेज अंडरपास से सोला रेलवे ब्रिज तक 1.48 किलोमीटर लंबे फ्लाइओवर ब्रिज 27 जून 2021 से कार्यरत है और अब 2.36 किलोमीटर लंबे गोता फ्लाइओवर ब्रिज से सोला सायंस सिटी बॉक्स तक एलिवेटेड कोरिडोर की वजह से लगातार 4.18 लंबा फ्लाइओवर ब्रिज कार्यरत होगा। इस फ्लाइओवर ब्रिज के शुरूहोने से गुजरात हाईकोर्ट और सोला सिविल अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं में राज्य के अन्य जिलों से आनेवाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। बता दें कि सरखेज-गांधीनगर-चिलोडा राष्ट्रीय राजमार्ग 147 के 44 किलोमीटर लंबे सड़क की दोनों ओर सर्विस रोड के साथ ही सिक्स लैन का कार्य रु 913 करोड़ में पूर्ण करने का राज्य सरकार ने आयोजन किया है। इसके अंतर्गत निर्माण होनेवाले 13 फ्लाइ ओवर ब्रिज में से 7 फ्लाइ ओवर ब्रिज कार्यरत हो चुके हैं। जिसमें से 8 वे फ्लाइ ओवर ब्रिज का आज अमित शाह ने लोकार्पण किया है। शेष 5 फ्लाइ ओवर ब्रिजों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। आज ब्रिज के लोकार्पण के मौके पर परिवहन मंत्री पूर्णेश मोदी, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद के मेयर किरीट परमार, अहमदाबाद शहर एवं गांधीनगर के विधायक, पूर्व मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, सांसद, स्थायी समिति के अध्यक्ष हितेश बारोट, अहमदाबाद शहर भाजपा प्रमुख अमित शाह, प्रदेश महासचिव प्रदीपसिंह वाघेला इत्यादि मौजूद रहे।

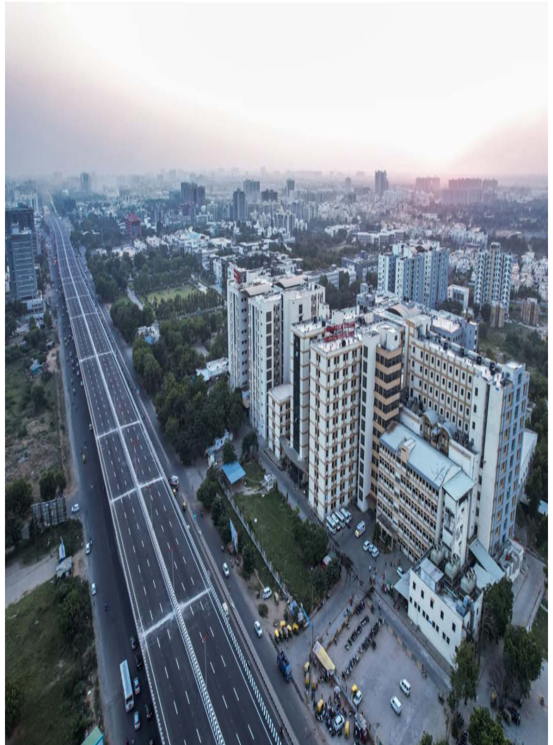

दुष्कर्मी आसाराम और नारायण ने गुजरात हाईकोर्ट में जमानत अर्जी लगाई, 26 को सुनवाई

क्रांति समय,सूरत

करीब आठ सालों से जेल में बंद दुष्कर्मी आसाराम और उसके पुत्र नारायण सांई ने जमानत के लिए गुजरात हाईकोर्ट में गुहार लगाई है। जमानत याचिका दाखिल की गई है। हांलाकि आसाराम को अन्य दुष्कर्म मामले में वर्ष 2013 में राजस्थान में गिरफ्तार किया गया था। 82 वर्षीय आसाराम की जून महिना में मेडिकल रिपोर्ट अदालत में पेश की गई थी। लेकिन गुजरात हाईकोर्ट ने

गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम और नारायण सांई के ताजा मेडिकल रिपोर्ट मंगवाई है और आसाराम की ताजा मेडिकल रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। वकील का कहना है कि आसाराम को कोविड के बाद कई बीमारियों से ग्रस्त हैं। जिसके आसाराम को अस्पताल में भी भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के आधार पर की याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट से आसाराम को जमानत मिलती है या नहीं यह 26 नवंबर को पता चलेगा।

मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर मुकर्रर की है। आसाराम के वकील ने गुजरात हाईकोर्ट में कहा कि कोई आरोपी यदि 8 साल से जेल में बंद है, उसे सुप्रीक कोर्ट के निर्देश के मुताबिक जमानत दी जा सकती है। आसाराम के खिलाफ गांधीनगर में दर्ज दुष्कर्म के मामले में आज

केंद्रीय राज्य मंत्री की अज्ञानता

नवसारी में एक कार्यक्रम के दौरान दर्शन जरदोश ने सरदार पटेल की जन्म तिथि के स्थान पर 31 अक्टूबर को पुण्यतिथि घोषित किया!

क्रांति समय,सूरत

31 अक्टूबर सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती है। जिसे पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। हालांकि, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और सूरत की सांसद दर्शनबेन जरदोश द्वारा नवसारी में आयोजित बुलेट ट्रेन कार्यक्रम के दौरान 31 अक्टूबर को सरदार पटेल के जन्मदिन के बजाय पुण्यतिथि के रूप में घोषित किया गया था। केंद्रीय मंत्री के बयान से वहां मौजूद लोग भी स्तब्ध रह गए।

नवसारी में बुलेट ट्रेन परियोजना में भाग लेना सूरत एमपी और केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री दर्शन जरदोश ने नवसारी में एक बुलेट ट्रेन परियोजना में भाग लिया। इस अवसर पर उनके संबोधन के दौरान 31 अक्टूबर को मंत्री की अनभिज्ञता उजागर हुई।

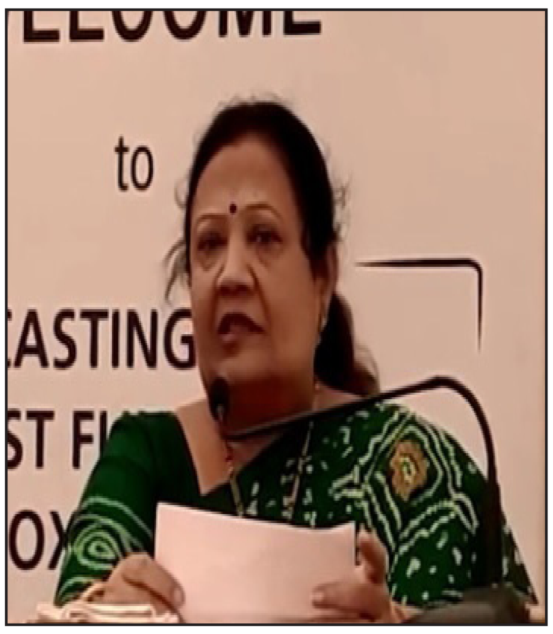

नवसारी में बिना किसी जोड़ के सबसे लंबा गर्डर होगा

भारत में निर्माण उद्योग में सबसे भारी गर्डर नवसारी में होगा ।

40 मीटर चौड़े गर्डर का निर्माण सिंगल पीस के रूप में किया जा रहा है यानी बिना किसी निर्माण जोड़ के जिसमें 390 क्यूबिक मीटर कंक्रीट और 12 मीट्रिक टन स्टील है।

गर्डर के बारे में क्या खास है? अधिरचना के लिए अधिकांश गर्डर्स फूल अवधि के 30, 35 और 40 मीटर लंबे होंगे, हालांकि प्री-कास्ट सेगमेंट की खंडीय लूट का उपयोग किया जाएगा जहां साइट पर बाधा है। क्योंकि सेग्नल गर्डर की तुलना में फ्लावर स्पैन गर्डर को प्राथमिकता दी जाती है। फुल स्पैन गर्डर लॉन्चिंग प्रक्रिया खंडीय गर्डर लोटिंग की तुलना में 7 गुना तेज है।

यार्ड की विशेषता क्या है?

गर्डरों की ढलाई के लिए पूरी रेलवे लाइन पर 23 कास्टिंग यार्ड विकसित किए जा रहे हैं। यार्ड आवश्यकता के अनुसार 16 से 93 एकड़ के क्षेत्र में फैले हुए हैं और पूरी हाई स्पीड रेलवे लाइन से सटे एक स्पैन बनाने के लिए प्रदान किए जाते हैं। गुणवत्ता वाले गर्डर की फास्ट कास्टिंग के लिए हाइड्रोलिक संचालित प्री-फैब्रिकेटेड मोल्ड के साथ कास्टिंग बेस बनाने के लिए जिग्स केजिंग प्लांट, प्रत्येक यार्ड में इकट्ठे पाइल / स्टैकिंग एरिया सीमेंट साइलो, गुणवत्ता प्रयोगशाला और श्रम शिविर विकसित किए गए हैं। कास्टिंग यार्ड की योजना और लॉन्चिंग के लिए भारी मशीनरी स्थापित की गई है,

जो प्रति माह 300 स्पैन बॉक्स गर्डर बनाती है और लॉन्चिंग आवश्यकता को पूरा करती है और प्रति माह लगभग 12 किमी सुपरस्ट्रक्चर कास्टिंग और इरेक्शन को पूरा करती है। मुंबई से अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना 508 किमी लंबी है। इसमें से 352 किमी गुजरात और इदरा नगर हवेली से होकर गुजरेगी और शेष 15 किमी महाराष्ट्र से होकर गुजरेगी।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 में गुजरात से हेमांग पटेल और उमंग टंडेल का चयन

क्रांति समय,सूरत

दमण के क्रिकेटर हेमांग पटेल, उमंग टंडेल का चयन गुजरात से बीसीसीआई के सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट (ओपन) में हुआ है। हेमांग पटेल और उमंग टंडेल 4 नवंबर को केरल, 5 नवंबर को असम, 6 नवंबर को मध्य प्रदेश, 8 नवंबर को रेलवे, 9 नवंबर को बिहार के विरूद्ध गुजरात से खेलेंगे। हेमांग पटेल और उमंग टंडेल के कोच भगु पटेल " लोगी " ने बताया कि हेमांग पटेल गुजरात से अंडर-14, अंडर-16, अंडर-19, अंडर-२३, विजय हजारे ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और उमंग टंडेल गुजरात से अंडर-14 अंडर-16, अंडर-19 खेल चुके हैं। उमंग टंडेल अंडर-14 गुजरात टीम के कप्तान रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिर डेंगू का डंक

कोरोना के मामले जहां कम होने लगे हैं, वहीं डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी चिंता और दुख की बात है। राष्ट्रीय राजधानी समेत देश के अनेक राज्यों में डेंगू के मामलों ने स्वास्थ्य एजेंसियों को परेशान करना शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में इस साल डेंगू के 1,000 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें पिछले सप्ताह 280 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे। दिल्ली सरकार ने अस्पतालों को निर्देश दिया है कि कोरोना के लिए आरक्षित बिस्तरों में से एक तिहाई बिस्तर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मरीजों के लिए आरक्षित कर दिया जाए। दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब और बिहार में भी डेंगू से चिंता बढ़ी है। कुछ जगहों से रिकॉर्ड मामले आ रहे हैं। यह बात सर्वज्ञात है कि डेंगू मच्छर जनित बीमारी है, जो एडीज मच्छरों के काटने के कारण होती है। डेंगू से संक्रमित ज्यादातर लोगों में हल्के या कोई लक्षण नहीं होते हैं। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, डेंगू से संक्रमित 75 प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखता है, जबकि 20 प्रतिशत में हल्के लक्षण होते हैं और पांच प्रतिशत में गंभीर लक्षण विकसित हो सकते हैं, जो जानलेवा भी हो सकते हैं। अतः सावधानी व समय पर इलाज जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि इधर एक सप्ताह में कुछ डॉक्टरों की भी डेंगू से मौत हुई है। इस वर्ष डेंगू के मामलों का बढ़ना विवश कर रहा है कि इसके कारणों पर फिर से निगाह डाली जाए। मलेरिया के मामलों में हाल के वर्षों में भारी गिरावट हुई है। साल 2000 से 2019 के बीच मलेरिया के मामलों में 71.8 फीसदी, जबकि मौतों में 73.9 फीसदी की गिरावट आई है। शायद हमारे प्रयासों में कमी है, तभी हम ऐसी बीमारियों को भी पूरी तरह से काबू नहीं कर पा रहे हैं। पंजाब जैसे संपन्न और साफ-सुथरे समझे जाने वाले राज्य में इस साल डेंगू से करीब 30 लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र भी विकसित है और दिल्ली भी अपेक्षाकृत विकसित है, लेकिन ऐसे राज्यों में अगर मच्छरों का आतंक कम नहीं हो रहा है, तो अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों की क्या स्थिति होगी, सहज अनुमान लगाया जा सकता है। डेंगू के साथ-साथ मलेरिया और चिकनगुनिया ने भी अगर सिर उठाया है, तो इसका मतलब है, मच्छरों के प्रति हम लापरवाह हुए हैं। अब समय आ गया है, जब भारत के शहरों और रिहाइशी इलाकों को मच्छर-मुक्त बनाने के तमाम उपाय किए जाएं। नए स्वच्छता अभियान को मच्छर-मुक्त शहर-गांव बनाने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए। शहरों को हरा-भरा और साफ-सुथरा करने के लिए सरकारों की ओर से बहुत धन खर्च किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी बनाने की कोशिशें चल रही हैं, लेकिन क्या हमारा कोई ऐसा शहर है, जहां कूड़े के पहाड़ न हों या जहां खुली नालियां न बहती हों? राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को ही अगर देख लिया जाए, तो समझ में आ जाता है कि हम वास्तविक रूप से साफ-सफाई के लिए अभी आधे भी सजग नहीं हुए हैं। व्यक्तिगत स्तर परजहां आम लोग जागरूक हैं, वहां तो गंदगी और मच्छरों से थोड़ी मुक्ति की स्थितियां बनी हैं, लेकिन ज्यादातर जगह आम लोग सफाई को अपना नहीं, किसी और का काम समझते हैं। जब हम सफाई रखने को अपना मूलभूत काम समझने लगेंगे, तो डेंगू ही नहीं, दस से ज्यादा बीमारियों को हमेशा के लिए अलविदा कह देंगे।

'आज के ट्वीट

कदम

गांधीजी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने गांधी दर्शन म्यूजियम, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेन्स एण्ड सोशल साइंसेज, शांति एवं अहिंसा निदेशालय का गठन जैसे बड़े कदम उठाए हैं

-- मु. अशोक गहलोत

पौराणिक तपोभूमि की पहचान बन पाते संभाग और जिले

– ऋतुपर्ण दवे

सच है, पहचान नाम से होती है, नाम में ही भावार्थ छुपा होता है, जो चलन-प्रचलन में आ जाता है। जब कोई नाम स्वनाम धन्य हो जाता है तब तो पहचान और भी किसी की मोहताज नहीं होती। इस समय देश में शहर, नगर, कस्बे, गांव यहां तक कि मोहल्लों के नाम बदले जाने की रवायत-सी चल पड़ी है। नाम पहले भी बदले जाते थे, आगे भी बदलते रहेंगे। लेकिन जब देश में भौगोलिक, सामाजिक और पौराणिक मान्यताओं और प्रमाणों से भरे क्षेत्र अपनी प्रामाणिकता से इतर दूसरे नामों से पहचाने जाएं तो थोड़ा अटपटा लगता है। हो सकता है कि इसके पीछे तमाम तरह की इच्छा शक्तियों का अभाव रहा हो। निहायत सीधे-सादे, आदिमजाति रहवासियों को इसकी जरूरत न समझ आई हो। आज एक ऐसे क्षेत्र की मैं चर्चा कर रहा हूँ जिसका एक अलग नाम है, सम्मान है, प्रामाणिकता है और लोगों की भरपूर आस्था भी। बस नहीं है तो उस नाम से उस जगह अपनी कोई पहचान, विशिष्टता, गर्व की अनुभूति कराते सरकारी दस्तावेज, कार्यालय, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड और पट्टिकाएँ। हाँ, वहां से निकली पवित्र नदियों के नाम पर सैकड़ों मील दूर स्थित जिले और संभाग उस नाम से अपनी ख्याति जरूर बिखेर रहे हैं। विडंबना देखिए जो जनक हैं, उत्पत्ति स्थल हैं वह अपनी इस विशिष्टता को बताने, जताने और दिखाने को तरस रहे हैं। बात पवित्र तीर्थ और महान ऋषि, मुनियों की तपोभूमि नर्मदा उद्गम स्थल अमरकण्टक की है। नर्मदा को भगवान शिव की पुत्री कहा जाता है। नर्मदा उद्गम की अनेक मान्यताओं में से एक नर्मदा अष्टक के अनुसार भगवान शिव ध्यान में लीन थे तो नर्मदा उनके केशों से निकलीं। शिव और उनकी पुत्री नर्मदा, अमरकण्टक में निवास करते थे। नर्मदा का कंकड़-कंकड़ भी शंकर कहलाता है। कहानियां कई हैं, वृहद हैं जो अलग व विस्तार का विषय हैं। अमरकण्टक से ही सोन और जोहिला नदी का भी उद्गम हुआ। इसी तरह नर्मदा, सोन, जोहिला और अमरकण्टक सभी एक-दूसरे के पूरक हैं। पूरे ब्रम्हाण्ड में यह नाम यत्र-तत्र सर्वत्र हैं। बस नहीं है तो उस संभाग, जिले और अंचल के नाम की पहचान में जुड़ा होना। यह तो बहुत पहले हो जाना था, लेकिन अभी तक नहीं हुआ। जागरूकता देखिए अमरकण्टक से निकली नर्मदा के नाम पर सैकड़ों किमी दूर गुजरात का एक जिला है। मप्र में होशंगाबाद का नाम नर्मदापुरम हो जाएगा संभाग पहले से है। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र तो बिहार में डेहरी ऑन सोन की पहचान भी अमरकण्टक की नदियां हैं। जहाँ-जहाँ से भी नर्मदा और सोन गईं उस क्षेत्र की पहचान और जीवनरेखा बनती गईं, बस जिस संभाग, जिले से उत्पत्ति हुई या जन्मीं उन जिलों या संभाग का नाम इन पर नहीं हो पाया! यह बेहद हैरान करता है। यदि रेवाखण्ड कहलाने वाले विन्ध्य के इस नर्मदा-सोन उद्गम क्षेत्र की पहचान भी इन पवित्र व आस्था से सराबोर नामों से हो जाती तो विशिष्टता के साथ एक अलग ही धाक व पहचान बनती फिर हमारे देश में तो नाम का अलग महत्व ही होता है। प्रगति, सफलता के लिए भी नाम अंक,वास्तु और शास्त्रों से जोड़कर रखे जाते हैं। शहडोल संभाग, गठन के बाद 14 जून, 2008 को अस्तित्व में आया। यही वह समय था जब इस नए संभाग की शुरुआत नए नाम नर्मदा, नर्मदाखण्ड, नर्मदांचल, नर्मदा-सोन संभाग जैसे पवित्र व विशिष्ट नामों को जोड़कर हो सकती थी। इसी तरह नर्मदा उद्गम जिला अनूपपुर का नाम भी रेवांचल, नर्मदा-सोनांचल या रेवाखण्ड कर जिले की पहचान बन सकती है। दरअसल सच तो यह है कि नर्मदा-सोन उद्गम, आरण्यक संस्कृति, तटवर्ती वनों, मार्कण्डेय, कपिल, भृगु, जमदाग्नि आदि अनेक ऋषियों की तपोभूमि, उनेकी यज्ञवेदियों के आकाश में मंडराते पवित्र धुएं के साक्षी है। पुराणों में वर्णित है कि जो पुण्य गंगा में स्नान से मिलता है, वह नर्मदा के दर्शन मात्र से मिल जाता है। यही पश्चिम की ओर बहती एकमात्र नदी है जो भारत की 5 सबसे पवित्र नदियों में एक है। विश्व मानचित्र पर विशिष्टता समेटे मेकल पर्वत श्रृंखला पर अवस्थित अमरकण्टक और यह पूरा क्षेत्र जितना रमणीय, दर्शनीय और प्राकृतिक धरोहरों से भरा-पूरा है उतना ही सादगी, आडंबर और राजनीतिक प्रपंचों से भी दूर है। निरा आदिम जाति, सीधे-सादे, सहज ऐसे समाज के चलते ही इस दौर में भी यहाँ ज्यादा बाहरी प्रभाव नहीं दिखता है। प्रगति के साथ कुछ बदलाव जरूर हुए हैं लेकिन अभी भी पूरा अंचल अपनी पौराणिक विशेषताओं और ख्यातियों को ज्यों का त्यों समेटे हुए है। अमरकण्टक विंध्य, सतपुड़ा, और मेकल की पहाड़ियों का मिलन स्थल है। पूरा दृश्य मन मोह लेने वाला होता है। अमरकंटक स्वयं एक तीर्थराज है। कितना अच्छा होता कि शहडोल संभाग का नाम उसकी पहचान अमरकण्टक के अनुरूप अमरकण्टक संभाग, नर्मदा-सोन संभाग, नर्मदा-रेवांखण्ड संभाग या इन्हीं प्रकृति प्रदत्त पवित्र स्थानों पर होता। इसी तरह अनूपपुर जिले का नाम भी रेवांचल, मेकल सुता या नर्मदा-सोन-जोहिलांचल जिला होता। शहडोल जिला भी अपनी पौराणिक और धार्मिक मान्यताओं के लिए जाना जाता है। यहां पर महाभारत काल में पाण्डवों ने विराट नगर में अज्ञातवास बिताया था। इस दौरान रोजाना नए तालाब की खुदाई करते और नया पानी पीते। साल भर में 365 तालाबों की खुदाई हुई थी। पूरे क्षेत्र में बहुतायात से मिलते तालाब महाभारत काल के बताए जाते हैं। कल्चुरी राजाओं का बनाया विराट मंदिर शहडोल जिले के सोहागपुर में है जिसे विराटेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। इसका निर्माण एक चबूतरे पर किया गया है जिसके भू-विन्यास में अर्धमंडप, महामंडप, अन्तराल और वर्गाकार गर्भगृह हैं। शिल्पकला शानदार है, मुख्यद्वार में सबसे उपर चतुर्भुजी विष्णु जी हैं, दाईं ओर गणेश जी और बाईं ओर वीणावादिनी हैं। मंदिर की बाहरी दीवारें खजुराहो मंदिर की तरह हैं। सबसे आकर्षण बहुभुजायुक्त नृत्यरत शिव प्रतिमा है। विराट मंदिर का निर्माण 9वीं 10वीं शताब्दी में कलचुरी शासक युवराज देव प्रथम ने गोलकी मठ के आचार्य के समक्ष पेश करने के हेतु बनवाया था। यदि शहडोल जिले का नाम विराट नगर कर वास्तविक पहचान दे दी जाती। उमरिया जिला नेशनल पार्क बांधवगढ़ के लिए जाना जाता है। बांधवगढ़ नाम एक चट्टानी पहाड़ के चलते पड़ा। माना जाता है कि लंका पर नजर रखने के लिए यह पहाड़ी भगवान राम द्वारा लक्ष्मण को दी गई थी। यह वन क्षेत्र अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए मशहूर है यहां बाघों की भी भरपूर संख्या है

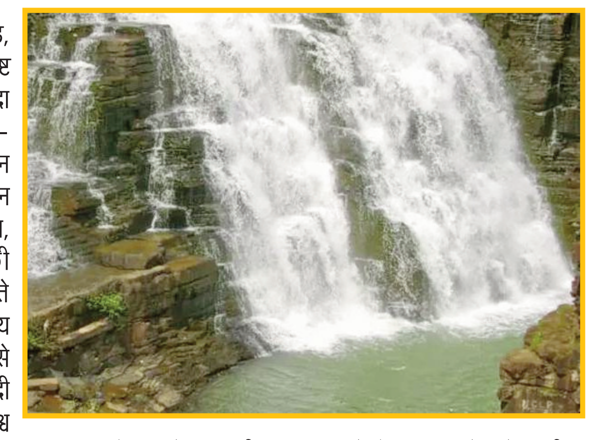

और दूसरे वन्य जीव बहुतायत में हैं। 1968 में इसे राष्ट्रीय उद्यान बनाकर नाम बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान रखा गया। पौराणिक मान्यताओं के साथ बांधवगढ़ भी विशिष्ट है। यदि उमरिया जिले का नाम भी बांधवगढ़ कर दिया जाता तो धार्मिक मान्यताओं और विशिष्टताओं वाले समूचे अंचल को उसकी असली पहचान मिल जाती। भले ही दस्तावेजों में या इन प्रामाणिक और पौराणिक स्थानों पर तीनों जिले या संभाग का नाम उन अंचलों की विशेषताओं से इतर हों लेकिन रेलवे ने काफी पहले ही दूरदर्शिता दिखा एक तरह से मान्यता दी और गुजरने वाली दो लंबी दूरी की यात्री गाड़ियों को क्रमशः नर्मदा एक्सप्रेस व अमरकण्टक एक्सप्रेस नाम देकर विशिष्ट पहचान दी। इसी तरह चचाई थर्मल पॉवर प्लाण्ट ने अमरकण्टक नाम दिया। काश, कुछ इसी तरह प्रशासनिक और राजनीतिक पहल भी होती और नर्मदा-सोन के क्षेत्र को वही पहचान मिलती जो उसका अधिकार है तो अपनी पहचान को तरस रहे देश के इन विशेष क्षेत्रों का मान भी बढ़ता और विश्व का ध्यान भी। काश जनप्रतिनिधि और नेतृत्वकर्ता विशिष्टताओं से भरे नामों और क्षेत्रों के बारे में सोचते समय रेवाखण्ड के इस धार्मिक, पौराणिक और वेदों में वर्णित स्थानों पर विचार कर शहडोल संभाग और अनूपपुर, शहडोल व उमरिया जिले को उनकी विशेषताओं के चलते जनभावनाओं, मान्यताओं, पौराणिक वर्णनानुसार नया नाम देकर वंचित अधिकार और विशिष्ट पहचान दिला पाते तो कितना अच्छा होता। बस अब देखना है कि कब इस बेहद सीधे आदिम आदिवासी अंचल रेवाखण्ड को उसकी असली पहचान मिलती है। थोड़ी उम्मीद जगी है क्योंकि शहडोल के वर्तमान कमिश्नर राजीव शर्मा जो खुद प्रख्यात लेखक, विचारक, दार्शनिक और जानकार हैं। आदि शंकराचार्य के जीवन पर लिखी टॉप सेलर्स पुस्तक विद्रोही संन्यासी के लेखक हैं। बहुत जल्द उनकी नई पुस्तक वर्ड ऑफ बांधवगढ़ भी आने वाली है, पूरे क्षेत्र से परिचित हैं, वही सरकार के प्रतिनिधि के रूप में इस भावना को आगे बढ़ाते और अंचल को उसकी पहचान दिलाने का स्तुत्य प्रयत्न करते, जो असंभव नहीं दिखता। बस इंतजार है कि कब नर्मदा-सोन-जोहिला का उद्गम अपने नाम के अनुरूप नयी पहचान से दस्तावेजों में जाना जाएगा ताकि दुनिया में कहीं भी विन्ध्य के इस वैभव की चर्चा होते ही लोग सरकारी पहचान में शामिल इन नामों से जान सकें और पहुंच सकें।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मेरा अज्ञान

श्रीराम शर्मा आचार्य

मेरे पास एक मकान है, जिसे मैंने खरीदा है और इधर-उधर से सुधारकर खूबसूरत शिष्ट व्यक्तियों के रहने योग्य बना लिया है। पर क्या यह वास्तव में मेरा है? नहीं, कदापि नहीं। मेरे इसमें आने से पूर्व न जाने वह जमीन जिस पर यह खड़ा है, कितने व्यक्तियों के अधिकार में आकर निकली होगी? मैं जब तक जिंदा हूं इसमें आश्रय भर लेता हूं, बस। कृषक का खेत उसका सर्वत्व है। पर मूर्ख यह नहीं सोचता कि भविष्य में न जाने कितने उसके मालिक बनेंगे। मेरे हाथ में एक रुपया आ जाता है। मैं भी कैसा मूर्ख हूं जो इसे अपना अपना कहकर घमंड में फूल उठता हूं। मेरे पास असंख्य पुस्तके हैं, घर की सैकड़ों छोटी-बड़ी वस्तुएं हैं, क्या ये सदा मेरी होकर रहने वाली हैं। मैं फिर भूलता हूं। क्षुद्र सांसारिक वस्तुओं के लोभ में इन्हें 'अपना' कहने की मूर्खता करता हूं। मैं बाल-बच्चों का पिता हूं। पर क्या वास्तव में ये बच्चे हमारे हैं? क्या हम ही इनके सब कुछ हैं? नहीं, ये हमारे नहीं हैं। जिस प्रकार पक्षियों के बच्चे समर्थ हो जाने पर उड़ जाते हैं, लौटकर फिर मां-बाप के पास आकर नहीं रहते, उसी प्रकार ये मानव परिंदे न जाने कब, कहां, किस ओर, किस अभिलाषा से उड़ जाने वाले हैं। फिर मैं इन्हें क्योंकर अपना कह सकता हूं? मैं अपने शरीर को 'अपना' 'अपना' कहता हूं। शीशे में शक्ल देख फूला नहीं समाता। अपने नेत्र, कपोल नासिका, मुखमुद्रा को सर्वश्रेष्ठ समझता हूं। अपने शरीर के प्रत्येक अवयव पर मुझे गर्व है। पर क्या वास्तव में यह शरीर मेरा है? नहीं। वह तो हाड़, मांस, रक्त, मज्जा, तंतु, वीर्य इत्यादि का पुतला मात्र है। क्या मैं उदर, मुख, पांव, सिर इत्यादि हूं? क्या रक्त हूं, मांस हूं? अस्थियों का पिंजर हूं? क्या िस हूं,वाणी हूं? क्या हूं? वास्तव में इन वस्तुओं में से मेरा कुछ भी नहीं है। इन सब सांसारिक पदाथरे से मेरा संबंध क्षणिक, अस्थायी और झूठा है। अज्ञान तिमिर में मुझे इन वस्तुओं से अपना साहचर्य प्रतीत होता है। मैं तो आत्मा हूं। इस शरीर रूपी पिंजरे में अल्पकाल के लिए आ बंधा हूं। ईश्वर का दिव्य अंश हूं। संसार से निर्लिप्त हूं। सांसारिक वस्तुओं से मेरा संबंध क्षणिक है। यदि मैं अल्प लोभ के वश स्वार्थ और तृष्णा में लिप्त होता हूं, तो यह मेरा अज्ञान है, मूढ़ता है।

प्रकाश पर्व और दीपक

– प्रमोद भार्गव

दीपावली प्रकाश पर्व है। यानी अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। आदिकाल से चली आ रही सांस्कृतिक यात्रा का यह त्यौहार सामाजिक जीवन प्रसन्नता और मंगल का प्रतीक रहा है। इस कालखण्ड में मानव ने मिट्टी, पत्थर, काठ, मोम और धातुओं के स्वरूप में हजारों तरह के शिल्प में दीपक गढ़े हैं। शुरूआत में दीवाली की मुख्य भावना दीप दान से जुड़ी थी। प्रकाश के इस दान को पुण्य का सबसे बड़ा कर्म माना जाता था। दीपों के कलात्मक आकार में मनुष्य की कल्पना व संवेदनशील उंगलियों का इतिहास भी अंकित है। इस जगत में जीवन जीने के लिए प्रत्येक प्राणी को उजाले की जरूरत पड़ती है। बिना उजाले के वह कोई कार्य सुरुचिपूर्ण ढंग से संपन्न नहीं कर पाता है। वैसे तो सबसे अधिक महत्वपूर्ण व उपयोगी प्रकाश सूर्य का है। इसके प्रकाश में ही अन्य सभी प्रकार के प्रकाश समाविष्ट रहते हैं। इसीलिए दीवाली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है। कहा भी गया है,

शुभं करोति कल्याण आरोग्यं सुख संपदम्।
शत्रु बुद्धि विनाशं च दीपज्योतिः नमोस्तुते।।

शुरूआती दौर में सीपियों का दीपक के रूप में उपयोग किया जाता था। इसमें रोशनी पैदा करने के लिए चर्बी डाली जाती थी और बाती के रूप में घास या कपास की ही बत्ती होती थी। इसके बाद पत्थर और काठ के दीपक अस्तित्व में आए। तत्पश्चात मिट्टी के दिए बनाए जाने लगे। कुम्हार के चाक की खोज के बाद तो मिट्टी के दीए अनूठे व आकर्षक शिल्पों में अवतरित होने लगे और ये घर-घर आलोक-स्तंभ के रूप में स्थापित हो गए। धातुओं की खोज और उन्हें मनुष्य के लिए उपयोगी बनाए जाने के बाद बड़े लोगों के घरों व महलों की शोभा धातु के दिए बनने लगे। जो वैभव का प्रतीक भी थे। स्वर्ण, कांसा, तांबा, पीतल और लोहे के दीयों का प्रचलन शुरू हुआ। इसमें पीतल के दीपकों को बेहद लोकप्रियता मिली। रामायण और महाभारत में भी 'रत्नदीपों' का उल्लेख देखने को मिलता है। कालांतर में एकमुख्यी से बहुमुखी दीपक बनाए जाने लगे। इनकी मूठ भी कलात्मक और पकड़ने में सुविधा जनक बनायी जाने लगी। सत्रह-अठारहवीं सदी में दीपकों को अनेक प्रकार के पशु-पक्षियों व अप्सराओं के रूप में ढाला जाने लगा। इस समय 'मयूरा धूप दीपक' का चलन खूब था। इसकी आकृति नाचते हुए मोर की तरह होती है। इसके पंजों के ऊपर बत्ती रखने के लिए पांच कटोरे बने होते हैं। मोर के ऊपर बन छेदों में अगरबत्तियां लगाई जाती हैं। राजे-रजवाड़े के कालखंड में छत से लटके दीपों का प्रचलन खूब था। ये परी, पशु, पक्षी और देवी-देवताओं की आकृतियों से सजे रहते थे। सांकल से लटके हंस और कबूतरों के पंजों पर तीन से पांच दीपक बनाए जाते थे। मुगलों के समय दीपकों में नायाब परिवर्तन आए। इस समय गोल लटकने वाले कलात्मक दीपक ज्यादा संख्या में बने इसके अलावा आठ कोनों वाले, गुम्बदाकार व ऐसे ही अन्य प्रकार के दीपक बनाए जाने लगे। इन दीपकों में से रोशनी बाहर झांकती थी। जब दीपक सैंकड़ों आकार-प्रकारों में सामने आ गए तो इनकी सुचारू रूप से उपयोगिता के लिए 'दीपशास्त्र' भी लिख दिया गया। जिसमें दीपक जलाने के लिए गाय के घी को सबसे ज्यादा उपयोगी बताया गया। घी के विकल्प के रूप में सरसों के तेल का विकल्प दिया गया। कपास से कई प्रकार की बत्तियां बनाने के तरीके भी दीपशास्त्र में सुझाए गए हैं। दीपावली पर देश में घी और सरसों के तेल से ही दीपक प्रज्वलित किए जाते हैं। सोलहवीं सदी में तो संगीत के एक राग के रूप में 'दीपक-राग' की भी महत्ता व उपलब्धि है। इस संदर्भ में जनश्रुति है कि संगीत सम्राट तानसेन द्वारा दीपक राग के गाए जाने पर मुगल सम्राट अकबर के दरबार में बिना जलाए दीप जल उठे थे। दीपक-राग के गाने के बाद ही तानसेन को 'संगीत सम्राट' की उपाधि से विभूषित किया गया। उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर परिसर में दीपों के स्तंभ बने हुए हैं, जिन पर सैंकड़ों दीप एक साथ रखकर जलाए जाते हैं। प्राचीन भारतीय परंपरा में दीपक के दान से बड़ा महत्व जुड़ा है। महाभारत के 'दान-धर्म-पर्व' में दीपदान के फल की महत्ता दैत्य ऋषि शुक्राचार्य ने दैत्यराज बलि को इस प्रकार समझाई है-

कुलोद्योतो विशुद्धात्मा प्रकाशत्वं च गच्छति।
ज्योतिषां चैव सालोक्यं दीपदाता नरः सदा।।

अर्थात, दीपकों का दान करने वाला व्यक्ति अपने वंश को तेजस्वी व समृद्धशाली बनाने वाला होता है और अंत में वह आलोकमयी लोकों को गमन करता है।रामायणकाल से पूर्व दीपावली का संबंध बलि कथा के संदर्भ में ही मान्य तथा प्रचलन में था। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को ऊबलि प्रतिपदा'' भी कहते हैं। इस दिन बलि महाराज की अर्चना भी की जाती है। राजा बलि अपने राज्य में चतुर्दशी से तीन दिन चलते हैं और तीनों दिन दीपदान भी करते हैं। बलि के इस दीपदान से ही इस उत्सव को दीपावली कहा गया है। हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में अपने वंश की समृद्धि के लिए ही प्रतिदिन गंगा की संध्या आरती के समय बड़ी संख्या में दीपदान किए जाते हैं। ऐसा ही वाराणसी के गंगा घाट पर होता है। प्राचीन भारत में मनुष्य के सभ्य व संस्कारजन्य होने के अनुक्रम में दीपक का महत्व हर एक महत्वपूर्ण उद्देश्य से जुड़ता चला गया। प्रयोजन के अनुसार ही इनका नामांकन हुआ दीपावली पर जो दीप आकाश में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर टांगा जाने लगा उसे 'आशा-दीप', स्वयंवर के समय जलाए जाने वाले दीप को 'साक्षी-दीप' पूजा वाले दीप को 'अर्चना-दीप' साधना के समय रोशन किए जाने वाले दीप को 'आरती-दीप' मंदिरों के गर्भगृह में अनवरत जलने वाले दीप को 'नंदा-दीप' की संज्ञा दी गई। मंदिरों के प्रवेश द्वार और नगरों के प्रमुख मार्गों पर बनाए जाने वाले दीपकों को 'दीप-स्तंभ' का स्वरूप दिया गया, जिन पर सैंकड़ों दीपक एक साथ प्रकाशमान करने की व्यवस्था की गई। बहरहाल वर्तमान में भले ही दीपकों का स्थान मोमबत्ती और विद्युत बल्वों ने ले लिया हो लेकिन प्रकृति से आत्मा का तादात्म्य स्थापित करने वाली भावना के प्रतीक के रूप में जो दीपक जलाए जाते हैं, वे आज भी मिट्टी, पीतल अथवा तांबे के हैं। घी से जज्वलमान यही दीपक हमारे अंतर्मन की कलुषता को धोता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें। चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

महिंद्रा के यात्री वाहनों की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़ी

बिजनेस डेस्क। वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा के यात्री वाहनों की घरेलू बाजार में कुल बिक्री इस वर्ष अक्टूबर में इसके पिछले वर्ष की समान अवधि के 18622 इकाई के मुकाबले आठ प्रतिशत बढ़कर 20130 इकाई हो गई। कंपनी ने सोमवार को बताया कि उसने अक्टूबर 2021 में कुल 20130 यात्री वाहन बेचे, जो अक्टूबर 2020 के 18622 इकाई की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक है। इस दौरान यूटिलिटिजी वाहनों की बिक्री 18317 की तुलना में नौ प्रतिशत बढ़कर 20034 इकाई हो गई जबकि कार एवं वैन की बिक्री 305 के मुकाबले 69 प्रतिशत गिरकर 96 इकाई रह गई है। आलोच्य अवधि में उसके दो टन से कम क्षमता वाले हल्के व्यवसायिक वाहनों (एलसीवी) की बिक्री 4165 की तुलना में 24 प्रतिशत कम होकर 3175, दो से साढ़े तीन टन की क्षमता वाले एलसीवी की बिक्री 15895 के मुकाबले 30 प्रतिशत लुढ़ककर 11178 इकाई रह गई। हालांकि साढ़े तीन टन से कम क्षमता वाले एलसीवी एवं मध्यम भारी वाहनों की बिक्री में 35 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 538 से बढ़कर 724 इकाई हो गई है। इस दौरान उसके इलेक्ट्रिक समेत तिपहिया वाहनों की बिक्री 3118 से 13 प्रतिशत बढ़कर 3527 इकाई हो गई है। इसी तरह उसके कुल निर्यात में 57 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 2021 से बढ़कर 3174 इकाई पर पहुंच गया।

रुपये ने शुरुआती लाभ गंवाया, 74.87 प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर बंद हुआ

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के रुख के बाद अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मात्र एक पैसे की मामूली तेजी के साथ 74.87 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोरी का रुख लिए खुला और कारोबार के दौरान यह 75 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से नीचे चला गया। कारोबार के दौरान यह 75.04 से 74.84 रुपये के दायरे में रहा। अंत में यह पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव के मुकाबले मात्र एक पैसे की तेजी के साथ 74.87 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया 74.88 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 84.40 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत बढ़कर 94.14 हो गया।

सुजुकी मोटरसाइकिल्स की अक्टूबर में बिक्री 10 प्रतिशत गिरकर 69,186 इकाई पर

नयी दिल्ली, सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने सोमवार को बताया कि अक्टूबर, 2021 में उसकी कुल बिक्री 10 प्रतिशत घटकर 69,186 इकाई हो गयी। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में कुल 76,865 इकाइयों की बिक्री की थी। एसएमआईपीएल ने एक बयान में कहा कि अक्टूबर, 2021 में उसकी घरेलू बिक्री 56,785 इकाई थी। जबकि पिछले साल इसी महीने में उसने 67,225 इकाइयां बेची थीं। अक्टूबर, 2021 में निर्यात 12,401 इकाई रहा, जो एक साल पहले इसी महीने 9,640 इकाई था। एसएमआईपीएल के उपाध्यक्ष देवाशीष हांडा ने कंपनी के प्रदर्शन को लेकर कहा, ऐसे में जब हम भारत में त्योहारी सीजन में प्रवेश कर रहे हैं, अच्छी खबर यह है कि बाजार में मांग वापस आ गयी है। उन्होंने कहा, हालांकि बढ़ी हुई मांग को पूरा करने से पहले दोपहिया उद्योग को महामारी की वजह से उपजी कई चुनौतियों से निपटना होगा।

यूपीआई लेन-देन अक्टूबर में पहली बार 100 बिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली।
भारत में पहली बार अक्टूबर में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से 7.7 लाख करोड़ रुपये (मूल्य के हिसाब से 100 अरब डॉलर से अधिक) का डिजिटल लेनदेन हुआ। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा सोमवार को जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार यह जानकारी दी गई। अक्टूबर के महीने में, जिसने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर रिकॉर्ड उत्सव की खरीदारी देखी, डिजिटल भुगतान में कुल 4.2 बिलियन यूपीआई लेनदेन देखे गए। सितंबर में, एनपीसीआई ने 3.65 अरब यूपीआई लेनदेन के माध्यम से 6.54 लाख करोड़ रुपये का डिजिटल भुगतान दर्ज किया। वर्तमान में, फोनपे, गूगल पे और पेयटीएम डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में अग्रणी हैं। फोनपे ने सितंबर में 3.06 लाख करोड़ रुपये और गूगल पे ने 2.5 लाख करोड़ रुपये के डिजिटल लेनदेन रजिस्टर्ड किए। फोनपे के वर्तमान में 325 मिलियन से अधिक रजिस्टर्ड यूजर्स हैं। प्लेटफॉर्म को पूरे भारत में 22 मिलियन से अधिक मर्चेंट आउटलेट्स पर भी स्वीकार किया जाता है। सितंबर में फोनपे पल्स के एक अध्ययन से पता चला है कि 19,000 पिन कोड वाले 30 करोड़ से अधिक भारतीय अब डिजिटल भुगतान का उपयोग करते हैं। हर पांच फोनपे मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं में से चार टियर 2 और 3 शहरों से हैं, और प्रत्येक तीन में से दो उपयोगकर्ता टियर-3 शहरों से हैं। फोनपे ऐप पर पहली बार होने वाले 63 प्रतिशत से अधिक लेन-देन पैसे ट्रांसफर करने के लिए होते हैं, यह पुष्टि करते हुए कि यह श्रेणी ग्राहकों के लिए यूपीआई ऐप डाउनलोड करने के लिए शुरूआती हुक के रूप में कार्य करती है। फोनपे ने इस श्रेणी के लिए लेनदेन में 182 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और 2020 की दूसरी तिमाही में और 2021 की दूसरी तिमाही के बीच ग्राहकों में 72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

सोने में मामूली गिरावट, चांदी 230 रुपये टूटी

नयी दिल्ली, वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 10 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 46,673 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,683 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 230 रुपये की गिरावट के साथ 63,014 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 63,244 रुपये प्रति किलो बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी क्रमशः 1,783 डॉलर प्रति औंस और 23.75 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रहे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''अमेरिका के जिंस एक्सचेंज, कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत सोमवार को 1,783 डॉलर प्रति औंस पर अपरिवर्तित रहने से सोने की कीमतों में स्थिरता रही।''

फास्टैग के जरिये टोल संग्रह अक्टूबर में 3,356 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड पर

नयी दिल्ली (एजेंसी),

फास्टैग के जरिये टोल संग्रह अक्टूबर में 21.42 करोड़ लेनदेन में रिकॉर्ड 3,356 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन आंकड़ों से पता चलता है कि विशेषरूप से त्योहारों के दौरान आर्थिक और परिवहन से जुड़ी गतिविधियों में सुधार हुआ है। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। सितंबर में फास्टैग संग्रह 19.36 करोड़ लेनदेन में 3,000 करोड़ रुपये रहा था। वहीं अगस्त में यह 20.12 करोड़ लेनदेन में 3,076.56 करोड़ रुपये रहा था। इसके अलावा शनिवार को फास्टैग के जरिये टोल संग्रह 122.81 करोड़ रुपये के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। सरकार ने 15 फरवरी को मध्यरात्रि से फास्टैग को अनिवार्य कर दिया था। उसके बाद से राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क राजमार्गों के सभी टोल प्लाजा पर टोल फास्टैग के जरिये काटा जा रहा है।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह बढ़कर 1.30 लाख करोड़ रुपये हुआ

नयी दिल्ली (एजेंसी),

माल और सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अक्टूबर में बढ़कर 1.30 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह लगातार चौथे महीने एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर बना हुआ है और त्योहारी सत्र की तेजी को दर्शाता है। जीएसटी के एक जुलाई, 2017 से लागू होने के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा मासिक संग्रह है। सितंबर, 2021 में जीएसटी संग्रह 1.17 लाख करोड़ रुपये था।आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने जीएसटी संग्रह अक्टूबर, 2020 की तुलना में 24 प्रतिशत और 2019 की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''अक्टूबर, 2021 में सकल जीएसटी राजस्व 1,30,127 करोड़ रुपये रहा, जिसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 23,861 करोड़ रुपये, राज्य (जीएसटी) 30,421 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 67,361 करोड़ रुपये (माल के आयात पर जमा 32,998 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 8,484 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 699 करोड़ रुपये सहित) है।'' बयान में कहा गया कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े आर्थिक सुधार के रुझानों से मेल खाते हैं और यह महामारी की दूसरी लहर के बाद से हर महीने निकाले जाने वाले वाले ई-वे बिलों के रुझानों से भी स्पष्ट है।

मंत्रालय ने कहा कि यदि सेमीकंडक्टर की आपूर्ति में बाधा से वाहन तथा अन्य उत्पादों की बिक्री प्रभावित नहीं होती, तो राजस्व संग्रह और भी अधिक होता। अक्टूबर के दौरान वस्तुओं के आयात से राजस्व 39 प्रतिशत अधिक था और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक रहा।बयान में आगे कहा गया है कि राज्य और केंद्रीय कर प्रशासन के प्रयासों के चलते भी राजस्व में बढ़ोतरी हुई। सरकार ने नियमित निपटान के रूप में सीजीएसटी से 27,310 करोड़ रुपये और आईजीएसटी से 22,394 करोड़ रुपये का निपटान किया है, और नियमित निपटान के बाद अक्टूबर 2021 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 51,171 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 52,815 करोड़ रुपये है।

गूगल ने ईमेल के 50 साल पूरे होने का जश्न मनाया, 3 अरब यूजर्स तक बनाई पहुंच

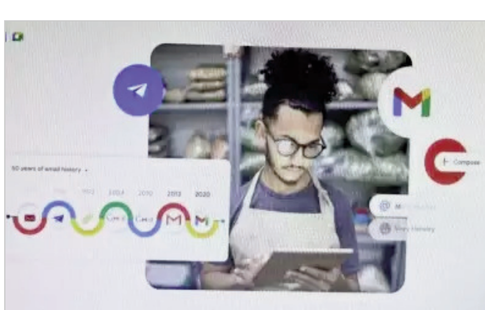

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कंप्यूटर प्रोग्रामर रे टॉमलिंसन ने इसी महीने 50 साल पहले पहला ईमेल भेजा था। अब गूगल, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, याहू मेल, दि मैसेजिंग, मेरवेयर और टमोबाइल एंटी-एब्यूस वर्किंग ग्रुप (एम3एएडब्ल्यूजी) और अन्य के साथ टॉमलिंसन के नवाचार और ईमेल के 50 वर्षों का जश्न मनाने में शामिल हो रहा है। टॉमलिंसन एआरपीएएनईटी पर काम करने वाले एक प्रोग्रामर थे, वह प्रणाली जिसने इंटरनेट बनने की नींव रखी, जैसा कि हम आज जानते हैं। उन्होंने खुद को ईमेल भेजकर मैसेजिंग सिस्टम का परीक्षण किया, और बाद में कहा कि पहला नोट शायद क्यूडब्ल्यूईआरटीवाईयूआईओपी जैसा कुछ था। इस सफलता के 30 से अधिक वर्षों के बाद, पॉल बुचेट नाम के एक गूगल इंजीनियर ने अपने स्वयं के ईमेल प्रयोग किए। बुचेट ने उस समस्या का वर्णन किया जिसे वह हल करने की कोशिश कर रहे थे, मेरा ईमेल एक गड़बड़ था। महत्वपूर्ण संदेश निराशाजनक रूप से दफन हो गए थे और बातचीत एक गड़बड़ी थी। मैं हमेशा अपने ईमेल तक नहीं पहुंच सका क्योंकि यह एक कंप्यूटर पर फंस गया था और मेरे पास स्पैम था। इसमें से बहुत कुछ था। ये दर्द बिंदु उस चीज का हिस्सा हैं जिसने उन्हें एक बेहतर प्रणाली- जीमेल के साथ आने के लिए प्रेरित किया। बुचेट ने जीमेल को एक ब्राउजर-आधारित ईमेल प्रोग्राम के रूप में बनाया जिसने उपयोगकर्ताओं को आसानी से अपने स्वयं के संदेशों को खोजने की अनुमति दी। उन्होंने कहा था, जीमेल के साथ, मुझे ईमेल बदलने का अवसर मिला- कुछ ऐसा बनाने का जो मेरे लिए काम करे, मेरे खिलाफ नहीं। आखिरकार, जीमेल को 1 अप्रैल 2004 को जनता के लिए लॉन्च किया गया। गूगल ने एक बयान में कहा, इसमें बिजली की तेज ईमेल खोज और 1 जीबी की भंडारण सीमा थी जो उस समय के प्रचलित इनबॉक्स से 500 गुना अधिक थी और बहुत से लोगों ने सोचा कि यह अप्रैल फूल दिवस जैसा धोखा था। जीमेल अब गूगज वर्कस्पेस का हिस्सा है। एकीकृत समाधान जो डॉक्स, स्लाइड्स, शीट्स, मीट, चैट और बहुत कुछ फैलाता है और यह 3 अरब से अधिक वैश्विक उपयोगकर्ताओं का घर है। किसी भी दिन, गूगल कार्यस्थान अब 10 करोड़ से अधिक हानिकारक ईमेल को जीमेल यूजर्स तक पहुंचने से रोकता है। काउंटर-एब्यूज टेक्नोलॉजी के वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक नील कुमारन ने कहा, हमारे मशीन लर्निंग मॉडल नए खतरों को समझने और फिल्टर करने के लिए विकसित हुए हैं, और हम 99.9 प्रतिशत से अधिक स्पैम, फिशिंग और मैलवेयर को अपने यूजर्स तक पहुंचने से रोकते हैं।

अक्टूबर में महिंद्रा एंड महिंद्रा की कुल बिक्री में पांच प्रतिशत की गिरावट

नयी दिल्ली, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने सोमवार को बताया कि अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,908 इकाई रही। कंपनी ने अक्टूबर, 2020 में कुल 44,359 इकाइयों की बिक्री दर्ज की थी। पिछले महीने घरेलू बाजार में कंपनी के यात्री वाहनों की बिक्री 20,130 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि के 18,622 इकाई के आंकड़े से आठ प्रतिशत अधिक है। कंपनी की घरेलू बाजार में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पिछले महीने, अक्टूबर 2020 की 23,716 इकाइयों से गिरकर 18,604 इकाई पर आ गयी। पिछले महीने निर्यात अक्टूबर, 2020 की 2,021 इकाइयों से 57 प्रतिशत बढ़कर 3,174 इकाई हो गया।

व्हर्लपूल ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में दोगुना उछलकर 413 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली (एजेंसी),

वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर जैसे टिकाऊ उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनी व्हर्लपूल ऑफ इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में दोगुना से अधिक उछलकर 413.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी को रसोई घर में उपयोग होने वाले उपकरण बनाने वाली कंपनी एलिका इंडिया में बहुलांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण से लाभ हुआ है। व्हर्लपूल कॉरपोरेशन की अनुषंगी व्हर्लपूल ऑफ इंडिया ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में उसे 134.67 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की परिचालन आय चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 1,607.10 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में 1,598.47 करोड़ रुपये थी।

व्हर्लपूल ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक विशाल भोला ने कहा कि मांग मजबूत हुई है। ''अप्रत्याशित लागत और ईंधन की महंगाई से हमारे मार्जिन पर असर पड़ा। हालांकि, कीमत में वृद्धि और उत्पादकता संबंधी गतिविधियों के जरिये उसके असर को कम किया गया है।'' सितंबर, 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान, व्हर्लपूल ऑफ इंडिया ने एलिका इंडिया में 424.8 करोड़ रुपये में 38 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल की। इससे कंपनी की कुल हिस्सेदारी 87 प्रतिशत हो गई। उन्होंने कहा, ''मौजूदा परिसंपत्तियों के उचित मूल्यांकन के कारण अधिग्रहण के परिणामस्वरूप 324 करोड़ रुपये का एकमुश्त लाभ हुआ।''

एयरटेल ने की उद्यमों के लिए नई 5जी पहल की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारती एयरटेल ने उच्च गति और कम-विलंबता नेटवर्क का उपयोग करके उद्यम ग्रेड उपयोग के मामलों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रदर्शित करने के लिए एक नई हैशटैग 5जीफॉरबिजनेस पहल शुरू की है। कंपनी ने सोमवार को इस नई पहल की घोषणा की है। एयरटेल एक्सेंचर, एडब्ल्यूएस, सीआईएससीओ, एरिक्सन, गूगल क्लाउड, नोकिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि अपोलो हॉस्पिटल्स, फ्लिपकार्ट और कई प्रमुख निर्माण कंपनियों जैसे उद्योग के प्रमुख ब्रांडों के साथ 5जी-आधारित परीक्षण किया जा सके। भारती एयरटेल के सीटीओ रणदीप सिंह सेखों ने कहा, 5जी पारिस्थितिकी तंत्र उद्यमों के लिए उत्पादकता बढ़ाने और डिजिटल रूप से सक्षम अनुप्रयोगों के साथ अपने ग्राहकों को और भी बेहतर सेवा देने के लिए असीमित संभावनाएं खोलेगा। कंपनी ने कहा कि इन समाधानों को एयरटेल को आवंटित 5जी टेस्ट स्पेक्ट्रम पर तैनात किया जाएगा और इसमें स्मार्ट फैक्ट्री, स्मार्ट हेल्थकेयर, 5जी पावर्ड क्वालिटी इंस्पेक्शन, डिजिटल ट्विन, कनेक्टेड फ्रंटलाइन वर्कफोर्स और एआर/वीआर आधारित यूज केस जैसे उपयोग के मामले शामिल होंगे। उपयोग के मामलों का प्रदर्शन एंड-यूजर लोकेशन और एयरटेल के गुड़गांव के मानेसर स्थित नेटवर्क एक्सपीरियंस सेंटर में उन्नत 5जी लैब में आयोजित किया जाएगा। इस साल की

शुरुआत में एयरटेल ने लाइव 4जी नेटवर्क पर भारत के पहले 5जी अनुभव का प्रदर्शन किया। इसने भारत के पहले ग्रामीण 5जी परीक्षण के साथ-साथ 5जी पर पहले क्लाउड गेमिंग अनुभव का भी प्रदर्शन किया है। एयरटेल भारत में 5जी समाधान बनाने के लिए ओ-आरएएन एलायंस पहल की अगुवाई कर रहा है और उसने टाटा समूह, क्वालकॉम, इंटेल, मावेनिर और अल्टियोस्टार के साथ साझेदारी की घोषणा की है।

अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल के दौरान स्टार्टअप्स ने बेचा हर ढाई सेकेंड में एक प्रोडक्ट

(एजेंसी)।

त्योहारी सीजन के मद्देनजर ई कामर्स प्लेटफॉर्म अमेजन डॉट इन पर चल रहे एक महीने के ग्रेट इंडियन फेस्टिवल (जीआईएफ) के दौरान हर ढाई सेकेंड में स्टार्टअप्स के एक उत्पाद की बिक्री हो रही है। अमेजन ने आज यह घोषणा करते हुये कहा कि उसके इस फेस्टिवल के दौरान अमेजन लॉन्चपैड प्रोग्राम से जुड़े स्टार्टअप और ब्रांड ने हर 2.5 सेकंड में एक अनूठा उत्पाद बेचा है। लॉन्चपैड की सबसे पसंदीदा कैटेगरी में गिफ्ट हैंम्पर्स, स्पेशलिटी लाइटिंग, हेल्थ एंड वेलनेस, महिलाओं की साड़ी और स्पीकर शामिल हैं। लॉन्चपैड के सबसे पसंदीदा स्टार्टअप और ब्रांडों में स्प्रिंगफिट एन्जॉय स्ट्रेस फ्री स्लीप, स्लीपसूत्र, देसीडिया, गुडएयर, नवलिक शामिल हैं। कंपनी के उपाध्यक्ष मनीष तिवारी ने कहा ''हम यह देखकर वास्तव में बेहद खुश हैं कि किस प्रकार यह त्योहारी सीजन अमेज़न.इन पर लाखों सेलरों की जिंदगी में खुशियां लेकर आया है। इन सेलरों में से कई लखपति और करोड़पति बन गए हैं। हमने इस त्योहारी सीजन में अमेज़न बिजनेस पर 360000 से अधिक एमएसएमई बायर ने बढचढ़ कर खरीदारी की। हम उनकी इस सफलता का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

डिजिटलीकरण अभियान के बाद लगभग 80 प्रतिशत अर्थव्यवस्था अब संगठित: एसबीआई रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)

एसबीआई की एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक महामारी के चलते डिजिटलीकरण अभियान में जोरदार तेजी और गिग कारोबार के बढ़ने से अर्थव्यवस्था को तेजी से संगठित रूप मिला है, और 2021 में असंगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी घटकर महज 15-20 प्रतिशत रह गई, जो 2018 में 52.4 प्रतिशत थी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मुख्य अर्थशास्त्री सौम्या घोष ने कहा कि 2020-21 में अनौपचारिक या असंगठित अर्थव्यवस्था का हिस्सा सकल मूल्यवर्धित (जीवीए) या औपचारिक जीडीपी के 15-20 प्रतिशत तक गिर गया है, जो 2017-18 में 52.4 प्रतिशत तक था। उन्होंने कहा कि तेजी से डिजिटलीकरण और गिग अर्थव्यवस्था के उभरने से ऐसा हुआ है।अर्थव्यवस्था में असंगठित क्षेत्र का हिस्सा 2011-12 में 53.9 प्रतिशत था। घोष के अनुसार, नवंबर 2016 में नोटबंदी के बाद कई उपायों से अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण में तेजी लाई है, और महामारी के चलते गिग कारोबार के बढ़ने से अर्थव्यवस्था को तेजी से औपचारिक रूप मिला। बदलाव की यह रफ्तार दूसरे देशों की तुलना में काफी अधिक थी। नोटबंदी ने असंगठित क्षेत्र को सबसे ज्यादा प्रभावित किया, जो तब कार्यबल का 93 प्रतिशत था। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के लिए दूसरा झटका जीएसटी था और अंतिम तथा सबसे कठिन संकट महामारी के चलते आया। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न चैनलों के माध्यम से औपचारिक अर्थव्यवस्था में कम से कम 13 लाख करोड़ रुपये आए हैं, जिसमें हाल में शुरू हुई ई-श्रम योजना भी शामिल है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1999 के बाद विश्व कप में शुरूआती दो मैच में हारा भारत, क्या सेमिफानल में बन पाएगी जगह?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम टी-20 विश्व कप खेल रही है। अब तक का सफर देखें तो भारतीय टीम के लिए काफी शर्मनाक रहा है। भारतीय टीम ने 2 मैच खेले हैं और दोनों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अपना पहला मुकाबला चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से खेला जिसमें उसे 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा जबकि दूसरे मुकाबले में 33 गेंद शेष रहते ही न्यूजीलैंड मैच जीत गया। 22 साल बाद भारतीय क्रिकेट इतिहास में ऐसा मौका आया है जब टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप के अपने पहले दो मैच हारी है। 'करो या मरो' के मुकाबले में आठ विकेट से हारकर विराट कोहली की टीम आईसीसी टी20 विश्व कप से बाहर होने की कगार पर पहुंच गई है।

1999 में भारतीय टीम ने वनडे विश्वकप के पहले दो मैच इंग्लैंड में हार गई थी। पहले मुकाबले में भारत को दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट से हरा दिया जबकि अगला मुकाबला भारत को जिंबाब्वे से 3 रनों से हारना पड़ा। उस समय भारतीय टीम की अगुवाई मोहम्मद अजहरुद्दीन कर रहे थे। इसके अलावा 2007 के 50 ओवर वाले विश्वकप में भारत का प्रदर्शन और भी खराब रहा था। 2007 के 50 ओवर वाले विश्व कप में भारत लीग मैच से ही बाहर हो गया था। इसके अलावा 2009 और 2010 के टी-20 विश्व कप में उसे सुपर आठ में भी जगह नहीं मिली थी। लेकिन 1999 के बाद भारत किसी भी विश्वकप में अपना पहला दो मुकाबला नहीं हारा था जो उसे इस बार हारना पड़ा है।

न्यूजीलैंड से आठ विकेट से हार के बाद टी20 विश्व कप सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने की कगार पर खड़ी भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि उनके खिलाड़ी बल्ले और गेंद दोनों से साहस का प्रदर्शन नहीं कर सके। कोहली ने लगातार दूसरी हार के बाद कहा कि यह बहुत अजीब है। मुझे नहीं लगता कि हम बल्ले या गेंद से अपने खेल में साहस दिखा पाये। हमने रन ज्यादा नहीं बनाये लेकिन उसे बचाने के लिये भी साहस के साथ नहीं उतरे। उन्होंने कहा भारत के लिये खेलते समय अपेक्षाओं का सामना करना आना ही चाहिये। उन्होंने कहा कि जब आप भारतीय क्रिकेट टीम के लिये खेलते हैं तो प्रशंसकों की ही नहीं बल्कि खिलाड़ियों की भी काफी अपेक्षायें होती है। अपेक्षायें हमेशा रहेंगी और हम इतने साल से उनका सामना करते आये हैं। भारत के लिये खेलने वाले हर खिलाड़ी को करना पड़ता है।

ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट: हरिका ने पोगोनिना से ड्रॉ खेला, दिव्या देशमुख जीती

झांसी (एजेंसी)।

रीगा (लातविया)। भारत की स्टार खिलाड़ी डी हरिका ने यहां फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर के मुकाबले में नतालिजा पोगोनिना को ड्रॉ पर रोका। हरिका तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ 3.5 अंक जुटाकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रही है। भारत की दूसरे नंबर की खिलाड़ी ने दो जीत दर्ज की हैं जबकि तीन बाजी ड्रॉ रही। ओपन वर्ग में अनुभवी ग्रैंडमास्टर के शशिकिरण ने रूस के 10वें वरीय व्लादिमीर फेदोसीव को 53 चाल में हराया। शशिकिरण के भी 3.5 अंक हो गए हैं।

भारतीय महिला खिलाड़ियों में युवा दिव्या देशमुख जीत दर्ज करने वाली एकमात्र खिलाड़ी रहीं। दिव्या ने स्थानीय खिलाड़ी मदारा गोलस्ता को 49 चाल में हराया। दिव्या के दो अंक हो गए हैं। आर वैशाली और वंतिका अग्रवाल ने क्रमश~ जॉर्जिया की सेलोम मेलिया और कजाखस्तान की झानासाया अब्दुमलिक से ड्रॉ खेला। वैशाली के 2.5 जबकि वंतिका के तीन अंक हैं। पदमिनी राउत को मंगोलिया की बातखुयाग मुनगुनतूल के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। उनके दो अंक हैं। पांचवें दौर के बाद पांच खिलाड़ी चार अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं। ओपन वर्ग में एलेक्सेई शिरोव, येवगेनी नाजिर, अलिरेजा फिरोजा, इवान सारिच और रॉबर्ट होवहानिस्यान चार अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं।

भारतीय खिलाड़ियों में के शशिकिरण, आर प्रग्गनानंदा, रौनक साधवानी, अर्जुन एरिगेसी, सूर्यशेखर गांगुली और बी अधिबान ने जीत दर्ज की। निहाल सरीन ने आर्मेनिया के मैनुअल पेत्रोस्यान से ड्रॉ खेला। उनके 3.5 अंक हो गए हैं और वे सातवें स्थान पर चल रहे हैं। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे शीर्ष रैंकिंग के भारतीय पी हरिकृष्णा को दारियूस स्विरकाज के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। उनके तीन अंक हो गए हैं। फेदोसीव के खिलाफ उलटफेर भरी जीत के बाद शशिकिरण 3.5 अंक के साथ 16वें स्थान पर चल रहे हैं। पहले चार दौर में जूझने वाले अधिबान ने राकोतोमाहारो फाइ एंटेनेना को हराकर पहली जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में भारत के 10 पुरुष और पांच महिला खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं।

सितारों से सजे भारत पर हावी होने की पूरी तैयारी के साथ उतरा था न्यूजीलैंड: कोच

दुबई। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम कई स्टार खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाकर हावी होने की पूरी तैयारियों के साथ उतरी थी। न्यूजीलैंड ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया तथा भारत को रविवार को यहां आठ विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत कर दी। टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया और उन्हें सात विकेट पर 110 रन ही बनाने दिये। स्टीड इस विशेष प्रदर्शन से खुश हैं। स्टीड ने स्टफ.सीओ.एनजेड से कहा, ''मेरा मानना है कि गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैंने टी20 में किसी गेंदबाजी टीम के जितने प्रदर्शन देखे उनमें यह सर्वश्रेष्ठ था।'' उन्होंने कहा, ''स्टार खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को 110 रन पर रोकना वास्तव में विशेष था और इसके बाद मुझे लगता है कि बल्लेबाजों ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभायी।'' स्टीड ने कहा कि उनकी रणनीति नियमित अंतराल में विकेट लेकर भारत के शीर्ष बल्लेबाजों को डेथ ओवरों से पहले आउट करना था। उन्होंने कहा, ''हमने जो रणनीति बनायी थी उस पर खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से अमल किया। हमने आक्रामक रवैया अपनाया। हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम विकेट लेते रहे ताकि उनकी टीम अपने शीर्ष बल्लेबाजों के साथ डेथ ओवरों तक नहीं जा पाये।'' उन्होंने कहा, ''जब आप भारत जैसी स्टार खिलाड़ियों वाली टीम से खेलते हो तो आपको यह सुनिश्चित करना होता है कि आप उन पर हावी होकर खेलो। अगर आप उन पर दबाव बना देते हो तो इससे आप मैच में हावी होकर खेल सकते हो। हमारे गेंदबाजों ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह शानदार थी।

बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल की उम्मीदों को मजबूत करने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

शारजाह (एजेंसी)।

अबुधाबी। पिछले दो मैचों में जीत से अपना अभियान पटरी पर लाने वाला दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप के सुपर 12 के ग्रुप एक के मैच में मंगलवार को संघर्षरत बांग्लादेश के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को पंख लगाने की कोशिश करेगा। वेस्टइंडीज और श्रीलंका पर जीत से दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने का मजबूत दावेदार बन गया है। उसके तीन मैचों में चार अंक हैं और नेट रन रेट के आधार पर आस्ट्रेलिया से ऊपर दूसरे स्थान पर है। दूसरी तरफ बांग्लादेश सुपर 12 के अपने तीनों मैचों में से एक में भी जीत दर्ज नहीं कर पाया। पिछले सप्ताह वेस्टइंडीज से तीन रन से पराजित होने के कारण उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गयी हैं।

बांग्लादेश अब बाकी बचे दो मैचों में जीत दर्ज करके बाकी टीमों के समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगा। दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट से जीत में सभी विभागों में सुधरा हुआ प्रदर्शन किया। उसके विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों और स्पिनरों ने रणनीति के अनुसार गेंदबाजी की और विरोधी टीम पर दबाव बनाया। टी20 में शीर्ष रैंकिंग के गेंदबाज तबरेज शम्सी ने दिखाया कि आखिर वह नंबर एक पर क्यों काबिज हैं जबकि एनरिच नोर्किया और ड्वेन प्रिटोरियस जैसे गेंदबाज भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिये यह अच्छी खबर है कि उसके कप्तान तेम्बा बावुमा फॉर्म में लौट आये हैं। उन्होंने पिछले मैच में मुश्किल परिस्थितियों में एडेन मार्कराम के साथ मजबूत साझेदारी निभायी थी। यही नहीं 'बिग हिटर' डेविड मिलर ने भी अपने खोये तेवर हासिल कर लिये हैं। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने आखिरी ओवर में दो छक्के जड़कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की थी।

क्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी हालांकि बावुमा, क्विंटन डिकॉक, मार्कराम, रासी वान डर डुसेन और रीजा हेंड्रिक्स पर काफी निर्भर है। इनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है जो उसके लिये चिंता का विषय है। दूसरी तरफ बांग्लादेश को अगर स्वदेश लौटने से पहले कुछ सांत्वना भरी जीत हासिल करनी हैं तो उसे जल्द से जल्द अपने प्रदर्शन में एकजुटता दिखानी होगी। उसे टूर्नामेंट के बाकी मैच स्टार आलराउंडर शाकिब अल हसन के बिना खेलना पड़ेगा जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गये हैं। बांग्लादेश के बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं जबकि गेंदबाजों में अनुशासन की कमी है। इसके अलावा उनका क्षेत्ररक्षण भी लचर रहा है। जीत के लिये बांग्लादेश को तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप: भारतीय टीम खिताब बचाने को तैयार

बेंगलुरु। 24 नवंबर से ओडिशा में एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप का आगाज होने वाला है। इसे लेकर मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद का कहना है कि भुवनेश्वर में होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी खिताब बचाने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा, बेंगलुरु में सीनियर हॉकी टीम के साथ कैंपस साझा करना हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं रहा। 2016 में भारतीय टीम ने कोच हरेंद्र सिंह के कोचिंग में बेल्जियम को हराकर जूनियर विश्व कप जीता था और यहां के कई खिलाड़ियों ने बड़े स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की, जिससे टीम को इस साल हुए टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक मिला। जूनियर विश्व कप में हिस्सा लेने वाले प्रसाद ने कहा कि उनकी तैयारी के दौरान दबाव में कैसे खेला जाए इस पर सीनियर्स खिलाड़ी से उन्हें मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कहा, मैदान पर हमारा अभ्यास अच्छा चल रहा है और हम अपना शत प्रतिशत दे रहे हैं।

माही से ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान असगर अफगान ने क्रिकेट को कहा अलविदा, खिलाड़ियों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

दुबई। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। आपको बता दें कि असगर अफगान ने अपना आखिरी मुकाबला नामीबिया के खिलाफ खेला। इस दौरान उन्होंने 31 रन की दमदार पारी खेली। जिसमें उन्होंने 3 चौके और एक छक्का भी जड़ा। इसके बाद जब वह मैदान से पवेलियन की ओर लौट रहे थे तब सभी खिलाड़ियों ने उनसे हाथ मिलाया और मैदान पर अफगानिस्तान के प्रशंसकों ने हाथ से सलामी दी।

वहीं, अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने असगर अफगान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया और मैच खत्म होने के बाद सभी ने असगर अफगान को कंधों पर उठा लिया। साफ शब्दों में कहें तो असगर अफगान को हीरो की तरह विदा किया गया। असगर अफगान द्वारा अचानक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के फैसले से सभी हैरत में हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 33 वर्षीय असगर अफगान का सक्सेज रेट किसी भी दूसरे अफगानी कप्तान से काफी बेहतर है।

धोनी से बेहतर हैं असगर

टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की बात की जाए तो बतौर कप्तान असगर अफगान ने 52 से 42 मुकाबलों में जीत दर्ज है। जबकि इस सूची में सबसे सफलतम कप्तान माने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी पीछे हैं। धोनी ने 41 मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। जबकि इंग्लैंड के कप्तान इयोग मार्गन तीसरे स्थान पर हैं।

नामीबिया के खिलाफ मुकाबले के बाद अफगानी कप्तान मोहम्मद नबी ने कहा कि कल रात उन्होंने मुझे बताया कि कल का मैच उनका आखिरी मैच होगा। मैं स्तब्ध था। यह उनका फैसला था। वह अपने कॅरियर के बारे में बेहतर जानते हैं। उन्होंने 6-7 साल कप्तानी की है और लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह तय कर चुके थे कि यह उनका आखिरी मैच होगा। वहीं प्लेयर आफ द मैच चुने गए नवीनुल हक ने अपना पुरस्कार असगर अफगान को समर्पित किया। क्योंकि उन्होंने असगर अफगान की कप्तानी में ही अपना पहला मुकाबला खेला था।

बर्थ-डे ब्यॉय सोढ़ी ने भारत को हराकर हासिल की उपलब्धि

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में रविवार को हुए करो या मरो के मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से जबरदस्त मात दी। इस मैच के हीरो रहे ईश सोढ़ी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए विराट कोहली और रोहित शर्मा का विकेट अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन आने वाले कई सालों तक याद किया जाएगा।

लेग स्पिनर सोढ़ी ने भारत के खिलाफ कड़ी गेंदबाजी करके न सिर्फ मैच को जीता, बल्कि उनको लगभग टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। उन्होंने अपने 4 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट झटके। सोढ़ी ने अपने जन्मदिन पर यह उपलब्धि हासिल की।

भारत ने न्यूजीलैंड को 111 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे कीवि ने महज 14.3 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर पूरा कर लिया। लुधियाना में जन्मे स्पिनर सोढ़ी ने यूट्यूब पर शेन वार्न और अनिल कुंबले के वीडियो देखकर गेंदबाजी करना सीखा और अपनी प्रतिभा को निखारा।

शानदार हरफनमौला प्रदर्शन से मिली जीत: विलियमसन

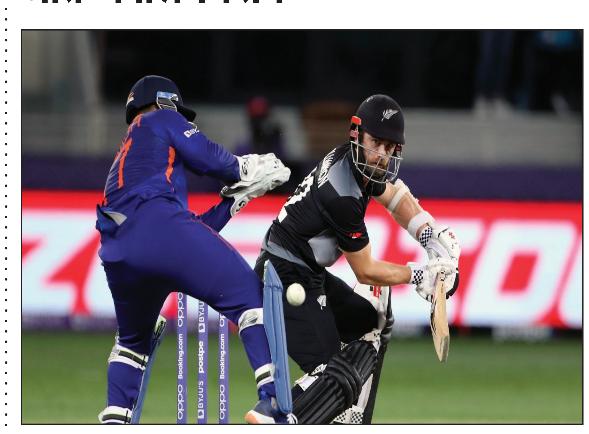

दुबई। टी20 विश्व कप के अहम मुकाबले में भारत को आठ विकेट से हराने का श्रेय अपनी टीम के हरफनमौला प्रदर्शन को देते हुए न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि उन्होंने पूरे मैच में भारत को दबाव में बनाये रखा। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 110 रन ही बना सकी। जवाब में न्यूजीलैंड ने दो विकेट खोकर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। विलियमसन ने मैच के बाद कहा ,'' हर मैच से पहले रणनीति बनाई जाती है। भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ हरफनमौला प्रदर्शन से यह जीत मिली। हमने पूरे मैच में उन्हें दबाव में रखा और हमारे सलामी बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।'' उन्होंने अपने गेंदबाजी आक्रमण की तारीफ करते हुए कहा ,'' हमारे पास दो अच्छे स्पिनर है और गेंदबाजों ने एक ईकाई के रूप में प्रभावित किया। ईश सोढी सीमित ओवरों के क्रिकेट का शानदार गेंदबाज है और इन हालात में स्पिनर काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं।

रोहित को तीसरे नंबर पर भेजने पर भड़के सनील गावस्कर, दिया ये बड़ा बयान

दुबई।(एजेंसी)।

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारने से संकेत मिलता है कि भारतीय टीम प्रबंधन को ट्रेंट बोल्ट की इनस्विंग गेंद का सामना करने के लिए इस स्टार सलामी बल्लेबाज पर भरोसा नहीं था। रोहित को सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल किया जा सकता है और मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद विराट कोहली के पद छोड़ने पर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वह भारत की अगुआई करने के प्रबल दावेदार हैं। रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ इशान किशन को पारी का आगाज करने का मौका दिया गया जबकि रोहित को तीसरे नंबर पर उतारा गया। पारी की शुरुआत में रोहित अंदर आती गेंद के खिलाफ असहज दिखे जबकि पाकिस्तान के खिलाफ भी ऐसा ही नजर आया। इशान से पारी का आगाज कराने का कदम विफल रहा। पूरा बल्लेबाजी क्रम ही नाकाम रहा जिससे टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 110 रन ही बना सकी।

न्यूजीलैंड ने इसके बाद 14.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, ''इशान किशन मारो या मरो वाला खिलाड़ी है और बेहतर है कि उसके जैसा बल्लेबाज चौथे या पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। वह उस समय मैच की स्थिति के अनुसार खेल सकता है। अब यह हुआ है कि रोहित शर्मा को कहा गया है कि हम बायें हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट का सामना करने के लिए आप पर भरोसा नहीं करते।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप किसी स्थान पर लंबे समय से खेल रहे खिलाड़ी के साथ ऐसा करोगे तो स्वयं भी सोचेगा कि शायद वह इसमें सक्षम नहीं है। अगर इशान किशन 70 के आसपास रन बना देता तो हम उसकी सराहना करते। लेकिन जब यह कदम काम नहीं करता तो आप आलोचना करते हैं।''

रिजर्व सलामी बल्लेबाज के रूप में टीम में शामिल किए गए इशान ने लोकेश राहुल के साथ पारी का आगाज किया था। कप्तान कोहली भी एक स्थान नीचे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। गावस्कर बल्लेबाजी क्रम में बदलाव से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि क्या यह विफलता का डर है लेकिन हमें पता है कि आज उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में जो भी बदलाव किए उन्होंने काम नहीं किया। '' गावस्कर ने कहा, ''रोहित शर्मा इतना शानदार बल्लेबाज है और उसे तीसरे नंबर पर भेजा गया। तीसरे नंबर पर इतने रन बनाने वाले कोहली स्वयं चौथे नंबर पर उतरे। इशान किशन जैसे युवा खिलाड़ी को पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।'' लगातार दो हार के बाद टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे भारत पर ग्रुप चरण से ही बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

धनतेरस

जिस प्रकार देवी लक्ष्मी सागर मंथन से उत्पन्न हुई थी उसी प्रकार भगवान धनवन्तरि भी अमृत कलश के साथ सागर मंथन से उत्पन्न हुए हैं। देवी लक्ष्मी हालांकि की धन देवी हैं परन्तु उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए आपको स्वस्थ्य और लम्बी आयु भी चाहिए यही कारण है दीपावली दो दिन पहले से ही यानी धनतेरस से ही दीपामालाएं सजने लगती हैं।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन ही धन्वन्तरि का जन्म हुआ था इसलिए इस तिथि को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धन्वन्तरी जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथो में अमृत से भरा कलश था। भगवान धन्वन्तरी चुकि कलश लेकर प्रकट हुए थे इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। कहीं कहीं लोकमान्यता के अनुसार यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें 13 गुणा वृद्धि होती है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं।

प्रथा

धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोइ बर्तन खरिदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में संतोष रूपी धन का वास होता है। संतोष को सबसे बड़ा धन कहा गया है। जिसके पास संतोष है वह स्वस्थ है सुखी है और वही सबसे धनवान है। भगवान धन्वन्तरी जो चिकित्सा के देवता भी हैं उनसे स्वास्थ्य और सेहत की कामना के लिए संतोष रूपी धन से बड़ा कोई धन नहीं है। लोग इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी गणेश की पूजा हेतु मूर्ति भी खरीदते हें। यह दिन व्यापारियँ

कथा

धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है, कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। 7ज्योंतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया। विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त नवविवाहिता उसकी पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा परंतु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

धन्वंतरि

धन्वन्तरि देवताओं के वैद्य हैं और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्व पूर्ण होता है। धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि एक बार यमराज ने यमदूतों से पूछा कि प्राणियों को मृत्यु की गोद में सुलाते समय तुम्हारे मन में कभी दया का भाव नहीं आता क्या। दूतों ने यमदेवता के भय से पहले तो कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाते है और उनकी आज्ञा का पालन करते हें परंतु जब यमदेवता ने दूतों के मन का भय दूर कर दिया तो उन्होंने कहा कि एक बार राजा हेमा के ब्रह्मचारी पुत्र का प्राण लेते समय उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर हमारा हृदय भी पसीज गया लेकिन विधि के विधान के अनुसार हम चाह कर भी कुछ न कर सके। एक दूत ने बातों ही बातों में तब यमराज से प्रश्न किया कि अकाल मृत्यु से बचने का कोई उपाय है क्या। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए यम देवता ने कहा कि जो प्राणी धनतेरस की शाम यम के नाम पर दक्षिण दिशा में दीया जलाकर रखता है उसकी अकाल मृत्यु नहीं होती है। इस मान्यता के अनुसार धनतेरस की शाम लोग आँगन मे यम देवता के नाम पर दीप जलाकर रखते हैं। इस दिन लोग यम देवता के नाम पर व्रत भी रखते हैं।धनतेरस के दिन दीप जलाककर भगवान धन्वन्तरि की पूजा करें। भगवान धन्वन्तरी से स्वास्थ और सेहतमंद बनाये रखने हेतु प्रार्थना करें। चांदी का कोई बर्तन या लक्ष्मी गणेश अंकित चांदी का सिक्का खरीदें। नया बर्तन खरीदे जिसमें दीपावली की रात भगवान श्री गणेश व देवी लक्ष्मी के लिए भोग चढ़ाएं।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।

निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-

कुबेर मंत्र -

'यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'

धनतेरस पूजन में क्या करें

(अ) कुबेर पूजन

शुभ मुहूर्त में अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान में नई गादी बिछाएं अथवा पुरानी गादी को ही साफ कर पुन: स्थापित करें।

पश्चात नवीन बसना बिछाएं।

सायंकाल पश्चात तेरह दीपक प्रज्वलित कर तिजोरी में कुबेर का पूजन करते हैं।

कुबेर का ध्यान

निम्न ध्यान मंत्र बोलकर भगवान कुबेर पर फूल चढ़ाएं -

श्रेष्ठ विमान पर विराजमान, गरुड़मणि के समान आभावाले, दोनों हाथों में गदा एवं वर धारण करने वाले, सिर पर श्रेष्ठ मुकुट से अलंकृत तुंदिल शरीर वाले, भगवान शिव के प्रिय मित्र निधीश्वर कुबेर का मैं ध्यान करता हूं।

इसके पश्चात निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें -

यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

इसके पश्चात कपूर से आरती उतारकर मंत्र पुष्पांजलि अर्पित करें।

(ब) यम दीपदान

* तेरस के सायंकाल किसी पात्र में तिल के तेल से युक्त दीपक प्रज्वलित करें।

* पश्चात गंध, पुष्प, अक्षत से पूजन कर दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके यम से निम्न प्रार्थना करें-

मृत्युना दंडपाशाभ्याम्‌ कालेन श्यामया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात सूर्यज: प्रयतां मम।

अब उन दीपकों से यम की प्रसन्नता के लिए सार्वजनिक स्थलों को प्रकाशित करें।

इसी प्रकार एक अखंड दीपक घर के प्रमुख द्वार की देहरी पर किसी प्रकार का अन्न (साबूत गेहूं या चावल आदि) बिछाकर उस पर रखें। (मान्यता है कि इस प्रकार दीपदान करने से यम देवता के पाश और नरक से मुक्ति मिलती है।)

यमराज पूजन

* इस दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखें।

* रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर चार बत्तियां जलाएं।

* जल, रोली, चावल, गुड़, फूल, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर यम का पूजन करें।

धनतेरस के दिन कौन से 6 देवी-देवताओं की पूजा करने से मिलेगा धन लाभ

कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। यह पांच दिन चलने वाले दीपावली उत्सव का पहला दिन होता है। धनतेरस धनतेरस से ही तीन दिन तक चलने वाला गोत्रिरात्र व्रत भी शुरू होता है। इस दिन पांच देवों की पूजा होती है।

1.धन्वंतरि पूजा: धन तेरस के दिन समुद्र मंथन से आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। अमृत कलश के अमृत का पान करके देवता अमर हो गए थे। इसीलिए आयु और स्वस्थता की कामना हेतु धनतेरस धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि का पूजन किया जाता है।

2.लक्ष्मी पूजा: इस दिन लक्ष्मी पूजा का भी महत्व है। श्रीसूक्त में वर्णन है कि लक्ष्मीजी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।

3.कुबेर पूजा: धन के देवता कुबेर की इस दिन विशेष पूजा होती है। कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं इसीलिए उनकी भी पूजा का प्रचलन है।

4.यम पूजा: धन तेरस के दिन यम पूजा का भी महत्व है। कहते हैं कि धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त जहां दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती है।

5.गणेश पूजा: गणेशजी की पूजा प्रत्येक मांगलिक कार्य और त्योहार में की जाती है क्योंकि वे प्रथम पूज्य हैं। सभी के साथ गणेश पूजा की जाना जरूरी होती है।

6.पशु पूजा: धनतेरस के दिन ग्रामीण क्षेत्र में मवेशियों को अच्छे से सजाकर उनकी पूजा करते हैं, क्योंकि ग्रामीणों के लिए पशु धन का सबसे ज्यादा महत्व होता है। दक्षिण भारत में लोग गायों को देवी लक्ष्मी के अवतार के रूप में मानते हैं इसलिए वहां के लोग गाय का विशेष सम्मान और आदर करते हैं।

धनतेरस पर पीतल की खरीदी घर में लाती है 13 गुना शुभ फल, सोने और चांदी से ज्यादा है महत्व

दीपावली के दो दिन पूर्व धनत्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरी का पूजन किया जाता है। धन तेरस का दिन भगवान धनवंतरी का जन्मदिवस भी माना जाता है। समुद्र मंथन के दौरान शरद पूर्णिमा के पश्चात आने वाली त्रयोदशी के दिन धनवंतरी का प्रादुर्भाव हुआ था, इसलिए इस दिन को धन त्रयोदशी कहा गया। धन एवं आरोग्य प्रदान करने वाली इस त्रयोदशी का विशेष महत्व है।

शास्त्रों में कहा गया है कि समुद्र मंथन के समय अन्य दुर्लभ और कीमती वस्तुओं के अलावा शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी के दिन कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरी एवं कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को भगवती लक्ष्मी जी का समुद्र से अवतरण हुआ था।

यही कारण है कि दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजन एवं उसके दिन पूर्व त्रयोदशी को भगवान धनवंतरी का जन्म दिवस धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। कहा जाता है कि भगवान धनवंतरी ने इसी दिन आयु में वृद्धि करने वाले आयुर्वेद का भी प्रादुर्भाव किया था।

भगवान धनवंतरी को नारायण भगवान विष्णु का ही एक रूप माना जाता है, जो आरोग्य प्रदान करते हैं। इनकी चार भुजाएं हैं, जिनमें से दो भुजाओं में वे शंख एवं चक्र धारण किए हुए हैं और अन्य दो भुजाओं में औषधि के साथ वे अमृत कलश रखते हैं।

ऐसा माना जाता है कि यह अमृत कलश पीतल का बना हुआ है क्योंकि पीतल भगवान धनवंतरी की प्रिय धातु है। यही कारण है कि भगवान धनवंतरी के जन्मदिवस अर्थात धनतेरस पर लोग खास तौर से पीतल के बर्तन खरीदते हैं। अन्य बर्तनों की खरीदी भी इस दिन खूब होती है।

वैसे कोई भी धातु की बनी वस्तुएं खरीदने का महत्व है। जैसे सोना, चांदी, तांबा, पीतल, कांसा आदि। धनतेरस को लेकर मान्यता है, कि इस दिन खरीदी गई कोई भी वस्तु शुभ फल प्रदान करती है और लंबे समय तक चलती है लेकिन पीतल खरीदने से तेरह गुना अधिक लाभ मिलता है।

धनतेरस 2021 पर खरीदारी का सबसे शुभ मुहूर्त कौनसा है?

धनतेरस पर वाहन, घर, संपत्ति, सोना, चांदी, बर्तन, कपड़े, धनिया, झाड़ू आदि खरीदने का महत्व रहता है। इस दिन सभी लोग शुभ महूर्त में ये वस्तुएं खरीदते हैं। इस बार धनतेरस का त्योहर 2 नवंबर 2021 मंगलवार को है। आओ जानते हैं खरीददारी के सबसे शुभ मुहूर्त।

दिन के मुहूर्त

त्रिपुष्कर योग- प्रात: 06:06 से 11:31 तक। इस योग में भी खरीदारी की जा सकती है।

धनतेरस मुहूर्त- 06 बजकर 18 मिनट और 22 से 08 बजकर 11 मिनट और 20 सेकंड तक का मुहूर्त है। इस काल में पूजा की जा सकती है।

अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:42 से दोपहर 12:26 तक। इस मुहूर्त में खरीदारी की जा सकती है। यह सबसे शुभ मुहूर्त है।

विजय मुहूर्त- दोपहर 01:33 से 02:18 तक।

शाम और रात के मुहूर्त

गोधूलि मुहूर्त- शाम 05:05 से 05:29 तक।

प्रदोष काल- 5 बजकर 35 मिनट और 38 सेकंड से 08 बजकर 11 मिनट और 20 सेकंड तक रहेगा। इस काल में पूजा की जा सकती है।

धनतेरस मुहूर्त- शाम 06:18:22 से 08:11:20 तक। इस काल में पूजा और खरीदी दोनों ही जा सकती है।

वृषभ काल- शाम 06:18 से 08:14: तक।

निशिता मुहूर्त- रात्रि 11:16 से 12:07 तक।

दिन का चौघड़िया

लाभ- प्रात: 10:43 से 12:04 तक।

अमृत- दोपहर 12:04 से 01: 26 तक।

शुभ- दोपहर 02:47 से 04:09 तक।

रात का चौघड़िया

लाभ- 07:09 से 08:48 तक।

शुभ- 10:26 से 12:05 तक।

अमृत- 12:05 से 01:43 तक।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हूथी विद्रोहियों के मिसाइल हमले में कम से कम 10 नागरिकों की मौत

सना। यमन के हूथी विद्रोहियों द्वारा दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों के फटने से मध्य प्रांत मारिब में एक धार्मिक शैक्षणिक इकाई में कम से कम 10 नागरिकों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि ये मिसाइलें रविवार देर रात अल-औमद के आवासीय इलाके स्थित एक मदरसे दार अल हदीथ और मस्जिद पर गिरीं। हताहतों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि वे मीडिया जानकारी मुहैया कराने के लिए अधिकृत नहीं थे। इस हमले से आसपास के घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। ईरानी समर्थित हूथी विद्रोहियों की ओर से अभी तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आयी है जिन्होंने यमन के उत्तर में आधे हिस्से पर अपना नियंत्रण पूरा करने के लिए तेल-समृद्ध मारिब को अपने नियंत्रण में लेने के वास्ते महीनों तक प्रयास किया है।

इस देश में लोग लाल कपड़ा दिखाकर करते हैं मौत का स्वागत, एक शख्स की गई जान

नई दिल्ली। स्पेन में बुल फाइट दुनियाभर में काफी मशहूर है। इसे एक खेल की तरह आयोजित कराया जाता है। बता दें कि, कई देशों में बुल फाइट को काफी इन्जॉय भी किया जाता है। हाल ही में स्पेन पूर्वी शहर ओंडा में एक बुल-रनिंग इवेंट आयोजित किया गया जिसमें एक 55 वर्षीय शख्स इस खेल के हादसे का शिकार हो गया। बैल के बार-बार हमला करने के बाद शख्स के सिर पर घाव और बाईं जांघ पर गंभीर चोट लग गई जिसके बाद उसको अस्पताल में तुरंत ले जाया गया , जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद शहर के परिषद ने कहा कि, वह शहर के सभी बुल-रनिंग कार्यक्रमों को रद्द कर रहे है। जानकारी के लिए बता दें कि, कई समय से स्पेन में हो रहे इस कार्यक्रम को समाप्त करने की बहस छिड़ी हुई है। स्पेन में चल रही यह प्रथा एक लंबे समय से चली आ रही है और इसको न केवल स्पेन बल्कि फ्रांस और पुर्तगाल में भी आयोजित किए जाते हैं। इस अजीबोगरीब प्रथा में प्रतिभागियों की भीड़ सांडों के एक समूह के सामने दौड़ती है, जो सांड से अंतिम तक बच गया वह विजेता साबित हो जाता है। बता दें कि इस बुल रन के दौरान चोट लगना आम बात है. साल 1910 में कम से कम 16 धावकों की जान चली गई थी।

श्रीलंका ने कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर खुराक देना शुरू किया, स्वास्थ्य मंत्रालय ने मामले बढ़ने को लेकर किया था आगाह

कोलंबो। श्रीलंकाई प्राधिकारियों ने सोमवार को अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों को कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर खुराक देना शुरू कर दिया। बूस्टर खुराक ऐसे समय में दी जा रही है जब दक्षिण एशियाई देश के शीर्ष चिकित्सा संघ ने संभावित संक्रमण के मामले बढ़ने को लेकर आगाह किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि फाइजर की बूस्टर खुराक शुरुआत में स्वास्थ्य, सुरक्षा और यात्रा क्षेत्रों के कर्मियों को दी जाएगी। इसके बाद 60 साल से अधिक आयु के लोगों को बूस्टर खुराक दी जाएगी। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, श्रीलंका की करीब 62 प्रतिशत आबादी ने टीके की पूरी खुराक ले ली है। श्रीलंका चिकित्सा संघ की प्रमुख पद्मा गुणारत्ने ने सोमवार को कहा कि एक हफ्ते पहले के मुकाबले पिछले हफ्ते कोविड-19 मरीजों की संख्या और मौत के मामले बढ़ें। उन्होंने कहा, ''ऐसी संभावना है कि संक्रमण की एक और लहर आ सकती है।

हैलोवीन पार्टी के दौरान गोलीबारी, एक व्यक्ति की मौत; 9 लोग घायल

टेक्सास (अमेरिका)।अमेरिका के टेक्सास प्रांत में एक हैलोवीन पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि नौ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने रविवार को हुई गोलीबारी की इस घटना के सिलसिले में एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। टेक्सास प्रांत की टेक्सारकाना पुलिस के मुताबिक संदिग्ध की पहचान 21 वर्षीय केउन्टे मैकएलरे के रूप में की गयी है। पुलिस का कहना है कि मैकएलरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ सोमवार को अन्य आरोप भी तय किए जाएंगे। पुलिस के मुताबिक, शनिवार देर रात हुई हैलोवीन पार्टी में करीब 200 लोग मौजूद थे कि तभी अचानक एक व्यक्ति ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में घायल 10 लोगों को तत्काल विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 20 साल के एक युवक की मौत हो गयी।

सिंध के सीएम बोले- पीएम के लिए नहीं, पीसीबी में नौकरी के लिए बेहतर होते इमरान खान

नई दिल्ली। पाकिस्तान के सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह का मानना है कि प्रधानमंत्री इमरान खान देश के प्रमुख के रूप में काम करने के बजाय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में बेहतर काम करते। जियो न्यूज की रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी मिली है। इस्लामाबाद में मीडिया से बात करते हुए सिंध के सीएम ने सत्तारूढ़ सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सभी जानते हैं कि पीटीआई ने चुनाव कैसे जीता। उन्होंने आत्मविश्वास से कहा, अब पीटीआई के लोग चुनाव में अपनी गारंटी खो देंगे क्योंकि अब माहौल बदल चुका है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के विरोध के परिणामस्वरूप पीटीआई सरकार ने देश में अराजकता को कैसे संभाला, इस पर टिप्पणी करते हुए सीएम ने कहा कि टीएलपी के मुद्दे पर सरकार की अक्षमता के कारण कीमती जानें चली गई। सीएम शाह ने कहा, पीटीआई सरकार ऐसे काम करती है जिसे वह ना थूक सकते और ना ही पचा सकते। उन्होंने सभी हितधारकों से बैठकर देश के हित में सोचने का आह्वान किया।

जी-20 नेताओं ने विकासशील देशों को कोविड- 19 टीके की आपूर्ति बढ़ाने का संकल्प लिया

रोम (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई के हथियारों में टीको को एक अहम हथियार रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित जी-20 देशों के नेताओं ने रविवार को विकासशील देशों को टीके की आपूर्ति बढ़ाने और बाधाओं को दूर करने का संकल्प लिया।

इसके साथ ही जी-20 नेताओं ने 2021 के अंत तक कम से कम 40 प्रतिशत तथा 2022 के मध्य तक 70 प्रतिशत आबादी के टीकाकरण के वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता पर सहमति जताई।

इटली की राजधानी रोम में आयोजित जी-20 समूह के सम्मेलन में सदस्य देशों के नेताओं ने घोषणापत्र जारी करके कोविड-19 से निपटने के प्रयासों के लिए स्वास्थ्य सेवा एवं अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, अंतरराष्ट्रीय संगठनों एवं वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया। शिखर सम्मेलन के बाद यहां जारी घोषणापत्र में जी-20 देशों ने कहा, '' हम स्वीकार करते हैं कि टीका कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई के हथियारों में सबसे अहम है, इसके साथ ही दोहराते हैं कि व्यापक कोविड-19 टीकाकरण वैश्विक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी कोशिशों को तेज करेंगे रि समान तरीके से और सार्वभौमिक आधार पर सुरक्षित ,वहन करने योग्य, गुणवत्ता युक्त और प्रभावी टीका, इलाज और जांच सभी को प्राप्त हो सके, खासतौर पर निम्न और मध्यम आय देशों के संदर्भ में।'' घोषणा पत्र में कहा गया, '' विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक टीकाकरण रणनीति के तहत वर्ष 2021 के अंत तक सभी देशों की कम से कम 40 प्रतिशत आबादी और अगले साल के मध्य तक 70 प्रतिशत आबादी के टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने में हम मदद करेंगे, हम टीके, अन्य आवश्यक चिकित्सा उत्पादों और अव्ययों की विकासशील देशों तक आपूर्ति बढ़ाने के लिए कदम उठाएंगे और आपूर्ति एवं वित्तीय बाधाओं को दूर करेंगे।'' जी-20 नेताओं ने अपने स्वास्थ्य मंत्रियों से कहा कि वे इस संबंध में निगरानी करें और जैसा की जरूरी है वैश्विक टीकाकरण बढ़ाने की संभावना तलाशें। घोषणा पत्र में कहा गया, ''हम अनुसंधान और विकास का समर्थन करने के साथ-साथ सुनिश्चित करेंगे कि उनके उत्पादन का दुनियाभर में समान आधार पर वितरण हो और यह आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर, वैश्विक टीका उत्पादन व क्षमता का विस्तार, विविधिकरण स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर किया जाएगा। इसके साथ ही टीके की स्वीकार्यता और उसके प्रति विश्वास को प्रोत्साहित किया जाएगा और भ्रामक सूचना से लड़ा जाएगा। जी-20 नेताओं ने सभी के लिए खाद्य सुरक्षा और पर्याप्त पोषण और किसी को पीछे नहीं छोड़ने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही घोषणापत्र में कहा गया है कि भारत समेत जी20 देश 2030 तक जैवविविधता ह्रास को रोकने और क्षतिपूर्ति की कार्रवाइयों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जी-20 देशों ने यह घोषणा भी की कि वे सुरक्षित और क्रमबद्ध तरीके से अंतरराष्ट्रीय यात्रा फिर से शुरू करने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए हैं। जी-20 ने कहा, '' उन्हें वर्ष 2022 में इंडोनेशिया, वर्ष 2023 में भारत में और वर्ष 2024 में

ब्राजील में दोबारा बैठक को इंतजार है।'' जी-20 नेताओं ने रविवार को फैसला किया कि कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था को स्थायी तौर पर उभारने के लिए कदमों को उठाने का क्रम जारी रहेगा और सदस्य देश अपरिपक्व अवस्था में समर्थन के कदमों से हाथ खींचने से बचेंगे।

पोप फ्रांसिस के साथ अपने संबंधों को याद करते समय भावुक हुए जो बाइडेन

रोम। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रोम की अपनी यात्रा के अंतिम दिन रविवार को पोप फ्रांसिस के साथ अपने संबंधों के बारे में बात करते हुए कहा कि पोप ने छह साल पहले उनके बेटे ब्यू की मौत के बाद से उन्हें ''काफी सांत्वना'' दी थी। बाइडन से जी20 शिखर सम्मेलन के उनके आखिरी संवाददाता सम्मेलन में पोप के साथ शुक्रवार को हुई निजी मुलाकात के बारे में पूछा गया था। इस सवाल पर भावुक होते हुए, उन्होंने पोप के साथ सितंबर 2015 की अपनी मुलाकात को याद किया जब रोमन कैथोलिक गिरजाघर के नेता अमेरिका की यात्रा पर आए थे।

उन्होंने कहा, '' वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास बहुत सहानुभूति है। वह ऐसे शख्स हैं, जो यह समझते हैं कि उनके ईसाई धर्म का मतलब लोगों तक पहुंचना और माफ करना है। इसलिए मुझे उनके साथ अपना रिश्ता ऐसे लगता है कि मुझे निजी तौर पर उनसे काफी सांत्वना मिलती है।'' कैथोलिक गिरजाघर के अनुयायी बाइडन, पोप की अमेरिकी यात्रा के समय उप राष्ट्रपति थे। तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने बाइडन को फ्रांसिस के साथ फिलाडेल्फिया जाने को कहा था। बाइडन ने कहा कि ब्यू की मौत का ''दुख अब भी खत्म नहीं हुआ है।'' डेलवेयर के पूर्व अटॉर्नी जनरल ब्यू की मौत पोप की यात्रा से कुछ महीने पहले मस्तिष्क

के कैंसर से हुई थी। फिलाडेल्फिया जाने से पहले फ्रांसिस ने बाइडन और उनके परिवार से निजी रूप से मुलाकात करने को कहा।

रविवार को इस बारे में याद करते हुए राष्ट्रपति की आंखों में आंसू आ गए कि कैसे फ्रांसिस को उनके बेटे की मौत के बारे में पता चला। बाइडन ने उस मुलाकात के बारे में कहा, '' उन्होंने उसके बारे में सिर्फ सामान्य रूप से बात नहीं की। वह जानते थे कि वह कैसा इंसान था और इसका उसके बच्चों, मेरी पत्नी, हमारे परिवार पर बहुत बड़ा असर पड़ा।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि शुक्रवार को पोप के साथ मुलाकात के बाद फ्रांसिस ने उन्हें कहा कि पवित्र भोज लेते जारी रखना चाहिए। अमेरिका के कुछ कंजर्वेटिव गिरजाघर के नेताओं का कहना है कि बाइडन को पवित्र भोज लेने से रोका जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने गर्भपात के अधिकारों का समर्थन किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति विडोडो से विस्तृत रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की

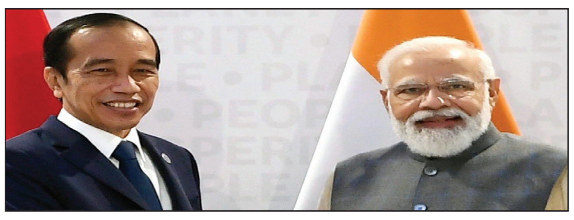

रोम। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर रविवार को रोम में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के साथ द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी, कारोबार, अर्थव्यवस्था और लोगों से लोगों के बीच संपर्क के मुद्दे पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्रालय के ट्वीट के मुताबिक मोदी ने अगले साल जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर इंडोनेशिया को बधाई दी और ट्रोइका (पूर्ववर्ती, मौजूदा और आगामी जी-20 अध्यक्षता)के हिस्से के तौर पर भारत के समर्थन का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''आज राष्ट्रपति जोको विडोडो से मिलकर खुशी हुई। भारत-इंडोनेशिया के मौजूदा सहयोग के क्षेत्रों और नए आयामों पर चर्चा की जहां पर दोनों देश अपने नागरिकों और पूरे ग्रह के लाभ के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।'' प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, '' इंडोनेशिया के साथ मजबूत संबंध भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'सागर' दृष्टिकोण का अहम हिस्सा है। बातचीत के दौरान आर्थिक संबंध सुधारने और सांस्कृतिक सहयोग पर मुख्य रूप से चर्चा की गई।'' गौरतलब है कि 'सागर' ''क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' का संक्षिप्त शब्द है जिसे 2015 में पेश किया गया था।

वर्ष 2022 में इंडोनेशिया और वर्ष 2023 में भारत में होने वाली बैठक का इंतजार: जी 20 नेता

रोम (एजेंसी)।

इटली की राजधानी रोम में आयोजित जी-20 का शिखर सम्मेलन रविवार को संपन्न हो गया। इस मौके पर दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं ने कहा कि उन्हें 2022 मेंइंडोनेशिया और 2023 में भारत में होने वाले सम्मेलन का इंतजार रहेगा।

वहीं नयी दिल्ली ने जोर दिया कि वह विकासशील देशों की आवाज का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेगा और मानवता के हितों की रक्षा करेगा। रोम घोषणा पत्र में जी-20 नेताओं ने कहा कि वे बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक 2022 के आगे देख रहे हैं, जो दुनियाभर के खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा का अवसर प्रदान करेगा और जो मानवता के लचीलेपन का प्रतीक है। जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत के शेरपा पीयूष गोयल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत विकासशील देशों की आवाज का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेगा और मानवता के हितों कर रक्षा करेगा। जानकारी के मुताबिक भारत और इंडोनेशिया के बीच जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की अदलाबदली हुई है और अब इंडोनेशिया 2022 में और भारत 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री पर झूठ बोलने का लगाया आरोप

रोम। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आरोप लगाया कि जब वह अमेरिका और ब्रिटेन के साथ एक पनडुब्बी सौदे पर गोपनीय रूप से बात कर रहे थे तब ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने उनसे झूठ बोला था। एक पत्रकार ने मैक्रों से पूछा था कि क्या उन्हें लगता है कि मॉरिसन ने उनसे झूठ बोला था, इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे लगता नहीं है, बल्कि मुझे पता है कि उन्होंने झूठ बोला।'' ऑस्ट्रेलिया ने पिछले महीने डीजल-इलेक्ट्रिक फ्रांसीसी पनडुब्बियों को खरीदने के लिए कई अरब डॉलर का अनुबंध रद्द कर दिया था और इसके बजाय अमेरिकी परमाणु संचालित पनडुब्बियों का खरीदने का फैसला किया। यह निर्णय ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका के बीच हुए एक नए हिंद प्रशांत समझौते 'औकस' का हिस्सा था। इस फैसले ने फ्रांस को नाराज कर दिया और फ्रांस ने अमेरिका तथा ऑस्ट्रेलिया में तैनात अपने राजदूतों को वापस बुला लिया। ऑस्ट्रेलिया द्वारा फ्रांसीसी पनडुब्बी का अनुबंध रद्द करने के बाद पहली बार मैक्रों और मॉरिसन ने बृहस्पतिवार को बात की। दोनों नेता 20 देशों के समूह के जी20 के शिखर सम्मेलन के लिए रोम में थे, हालांकि उनके बीच द्विपक्षीय बैठक नहीं हुई।

फिल्मी स्टाइल में जोकर की पोशाक पहनकर शख्स ने ट्रेन में किया ताबड़तोड़ हमला, 17 लोग घायल

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

जापान में रविवार को एक शख्स ने बैटमेन की जोकर वाला पोशाक पहन कर चाकू से हमला कर दिया जिसमें 17 लोग घायल हो गए। इस शख्स ने ट्रेन में आग भी लगाई जिससे ट्रेन में सवार लोगों के बीच दहशत मच गई। अपनी जान बचाने के लिए लोग ट्रेन की खिड़कियों से कूदने लगे।

पुलिस के मुताबिक, 24 साल के हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक खबर के मुताबिक, यह हमला शाम के करीब हुआ जब बड़ी संख्या में लोग हेलोवीन फेस्टीवल मनाने जा रहे थे। इस हमले में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे ताबड़तोड़ हमले करने के पीछे हमलावर की साजिश थी। हमलावर ने ऐसा इसलिए किया ताकि उसे जापान कानून मौत की सजा सुना सके।

फिल्मों की तरह ताबड़तोड़ हमले करने लगा हमलावर

एक खबर के मुताबिक, हमलावर जापान के कोकुरयो स्टेशन पर पहुंचा और यह ट्रेन जैसे ही चलने लगी वैसे ही लोगों की जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आने लगी, भागते हुए लोगों के बीच कई घायल भी हुए। हमलावर ने न केवल चाकू से हमला किया बल्कि ट्रेन के डिब्बे में आग तक लगा दी। क्योडो न्यूज की रिपोर्ट में बताया गया कि, एक हाथ

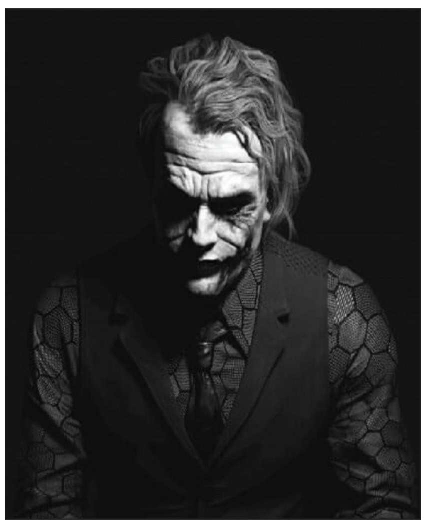

में चाकू पकड़े हमलावर ने ट्रेन के डिब्बो के चारों तरफ हाइड्रोक्लोरिक एसिड फैला दिया जिसके बाद लोगों के बीच दहशत फैल गई। रात के करीब 8 बजे पुलिस को इस घटना की सूचना मिली।

पुलिस ने बताया कि, हमला कोकुर्यो स्टेशन के पास कीओ ट्रेन के अंदर हुआ है। बता दें कि इस हमले का एक वीडियो भी ट्वीटर पर पोस्ट हुआ है जिसमें लोग अपने आप को बचाने के लिए ट्रेन की खिड़कियों से निकलते हुए नजर आ रहे है।

क्या अगली महामारी हो सकती है निपाह वायरस? भविष्य में बढ़ सकता है खतरा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के गंभीर और विनाशकारी परिणाम निस्संदेह महामारी से निपटने की तैयारियों की कमी के कारण बदतर हो गए लेकिन पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया को छोड़कर, जिन्होंने 2003 में सार्स के अपने अनुभव के बाद संक्रमण से रक्षा हासिल कर ली। इसलिए सरकारों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह अन्य जानलेवा संक्रमणों के पैदा होने पर हमारी रक्षा के लिए रणनीतियां बनाना शुरू कर दें। भारत में हाल में निपाह वायरस फैलने ने यह सवाल पैदा कर दिए कि क्या हमें इसे भविष्य का खतरा मानने पर विचार करना शुरू कर देना चाहिए और अब हमारे रक्षा के शस्त्रागारों के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। कोरोना वायरस, सार्स-सीओवी-2 के खिलाफ टीकों के विकास ने इस महामारी से निपटने का रास्ता दिखाया। तो अगर अन्य संभावित खतरनाक संक्रमणों के लिए टीके बनाए जा सकते हैं और उनका भंडारण किया जा सकता है तो नए संक्रमण का पता चलने से पहले जल्द से जल्द इसकी शुरूआत करनी चाहिए।

निपाह वायरस की पहचान सबसे पहले 1998 में मलेशिया में की गयी। केरल में एक लड़के की हाल में हुई मौत जैसे मामलों ने ये चिंताएं पैदा कर दी कि यह संक्रमण की अपनी क्षमता को बढ़ा सकता है जिससे व्यापक पैमाने पर संक्रमण फैल सकता है। यह स्थिति डरावनी है क्योंकि अभी इस संक्रमण की मृत्यु दर 50 प्रतिशत है और इसके उपचार के लिए कोई टीका नहीं बना है। लेकिन निपाह के खिलाफ टीकों के विकास में संसाधनों का निवेश करने से पहले हमें यह पता करने की आवश्यकताा है कि क्या यह वास्तविक महामारी का खतरा है। और अगर हां तो अन्य संक्रमण भी हैं इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि इसे प्राथमिकताओं की सूची में कौन से स्थान पर रखना चाहिए। निपाह के महामारी के खतरे का आकलन करना ¬ खतरे का आकलन करने के लिए हमें यह समझने की आवश्यकता है कि कैसे संक्रमण फैलता और वायरस कैसे अपनी संख्या बढ़ाता है। निपाह एक पैरामाइक्सोवायरस है। यह मानव वायरस, मानव पैराइंफ्लुएंजा वायरस से जुड़ा है जिनसे आम तौर पर सर्दी-जुकाम होता है। यह वायरस 'फ्रूट बैट' यानी चमगादड़ और उड़ने वाली छोटी लोमड़ियों से फैलता है जो दक्षिण तथा दक्षिणपूर्व एशिया में फैली हैं।

अभी तक निपाह वायरस से मनुष्य के संक्रमित होने के सभी मामले प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर संक्रमित चमगादड़ों के संपर्क में आने के कारण सामने आए हैं। चमगादड़ों के मूत्र से दूषित फल या फलों का रस लोगों में इस संक्रमण को फैलाने का प्रमुख साधन है। बांग्लादेश में लोगों में आए दिन निपाह वायरस के मामले आने पर वहां हुए एक अध्ययन में बताया गया कि संक्रमण फैलने के लिए चमगादड़ों की जनसंख्या का घनत्व, संक्रमण का प्रसार और कच्चे खजूर का रस पीने वाले लोग जिम्मेदार हैं। खजूर के पेड़ से निकाले जाने के दौरान चमगादड़ इसका रस दूषित कर देते हैं और फिर स्थानीय स्तर पर इसका सेवन कर लिया जाता है। मानव संक्रमण के मामलों में अभी तक यह केवल मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के करीबी संपर्क में आने वाले लोगों जैसे कि परिवार के सदस्य और अस्पताल में भर्ती किसी व्यक्ति की देखभाल करने वाले अस्पताल के कर्मियों के बीच फैला है। आम तौर पर इस संक्रमण का प्रसार नहीं होता है क्योंकि निपाह वायरस को कोशिकाओं में घुसने के लिए जिस प्रोटीन की आवश्यकता होती है वे मस्तिष्क और केंद्रीय

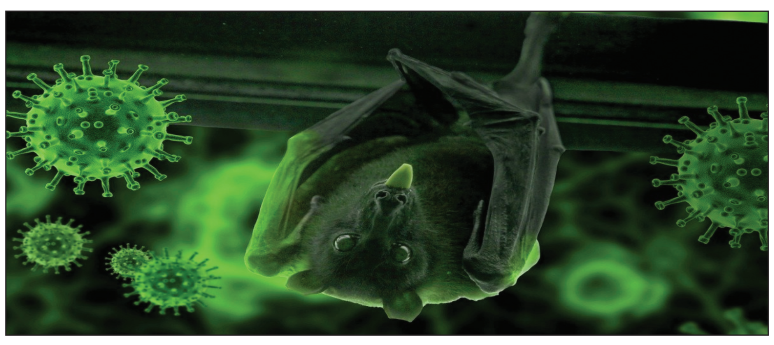

तंत्रिका ऊतकों में होती हैं। ज्यादातर मामलों में तीव्र मस्तिष्क ज्वर से निपाह संक्रमण के कारण मौत होती है क्योंकि यह वायरस उन उत्तकों में अधिक प्रभाव डालता है जहां वायरस के लिए कोशिकाओं में घुसना आसान हो जाता है। लेकिन इबोला वायरस के मामलों में संक्रमण श्वसन मार्ग से आसानी से नहीं फैलता और इसके लिए शरीर के तरल को छूने की आवश्यकता होती है।

इबोला में कोई व्यक्ति तभी संक्रमित हो सकता है जब संक्रमित व्यक्ति से बहुत करीबी संपर्क हो। मेरे विचार से निपाह के महामारी फैलाने का बहुत अधिक खतरा नहीं है। इसके फैलने की मौजूदा प्रवृत्ति सामान्य रहने की संभावना है। इसके बजाय हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इसकी निगरानी हो, इसे लेकर जागरूकता बढ़ें और इससे निपटने के लिए प्रभावी जन स्वास्थ्य कदम उठाए जाए तथा उनका पालन हो।इसका निकट भविष्य में निपाह वायरस के मामलों पर काबू पाने पर ज्यादा बड़ा असर होगा। मध्य और दीर्घकाल में महामारी की तैयारियों के लिए हमें अपना ध्यान इस पर केंद्रित करने की आवश्यकता है कि कौन से अन्य वायरस खतरा हैं और उसके खिलाफ टीके बनाने पर काम करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पटाखों पर नहीं हो सकता पूरी तरह प्रतिबंध, स्ष्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को बदला

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल में त्योहारों के मद्दनजर पटाखों पर प्रतिबंध का मामला उच्चतम न्यायालय पहुंचा। जिसके बाद अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर और न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अवकाश पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहले ही पटाखों के उपयोग को विनियमित करने का आदेश पारित कर दिया है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि आतिशबाजी पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं है और केवल उन पटाखों पर पाबंदी है जिनमें बेरियम साल्ट होता है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने कहा था कि किसी प्राधिकार को उसके द्वारा जारी निर्देशों के उल्लंघन और उत्सव के नाम पर प्रतिबंधित पटाखों के उपयोग की अनुमति नहीं दी जा सकती। याचिकाकर्ता ने याचिका में दावा किया कि कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा पारित पटाखों पर बैन लगाने वाला आदेश पूरी तरह से गलत था, जबकि उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों की अनुमति सीमा में ग्रीन पटाखे जलाने की छूट दी है।

प्रियंका गांधी की देखरेख में विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस: अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने रविवार को कहा कि प्रदेश में पार्टी बिना मुख?यमंत्री के चेहरे के प्रियंका गांधी वाद्रा की देख-रेख में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने यह अनुमान लगाने से इनकार किया कि पार्टी ने कितनी सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सत्ता में आएगी और मुख्यमंत्री कौन होगा यह पार्टी नेतृत्व तय करेगा। विधानसभा चुनाव 2017 में कांग्रेस को सिर्फ सात सीटें मिली थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रियंका को राजनीतिक पर्यटक बताये जाने पर पलटवार करते हुए लल्लू ने कहा कि सरकार दमन का रास?ता अपना रही है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पिछले तीन महीने में लाठियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रियंका द्वारा उठाए गये मुद्दों से कांग्रेस में नई ऊर्जा पैदा हुई है इसीलिए सरकार दमनकारी रास?ता अपना रही है। यह पूछे जाने पर कि सोशल मीडिया में बात चल रही है कि सपा को कमजोर करने के लिए भाजपा द्वारा प्रियंका गांधी को उभरने का मौका दिया जा रहा है, लल्लू ने कहा कि सपा जो अपने घर से बाहर नहीं निकलती है, इस दुष्प्रचार में लगी हुई है। उन्होंने कहा, ''सपा ने जनता का विश्वास खो दिया है। सपा में चाहे जितने नेता शामिल हो जाए, वह (चुनाव) परिदृश्य में नहीं रहने वाली और कांग्रेस सरकार बनाएगी।''

कोरोना वायरस: दिल्ली में खुले 19 महीने बाद स्कूल, केवल जा सकेंगे 50 प्रतिशत स्टूडेंट

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में करीब 19 महीने बाद सोमवार को आठवीं तक के छात्रों के लिए कई स्कूल 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुल गए। कोविड-19 के कारण मार्च 2020 से स्कूलों में कक्षाएं बंद कर दी गई थीं। नौंवी से 12वीं तक के छात्रों के लिए स्कूल सितंबर में खुल गए थे। कई निजी स्कूल हालांकि दिवाली के बाद स्कूल परिसर में कक्षाएं शुरू करेंगे। स्कूलों के सोमवार को खुलने पर छात्र मास्क पहने नजर आए।स्कूल में प्रवेश तथा निकास के समय उचित दूरी बनाए रखने के लिए स्वयंसेवक तैनात किए गए हैं और छात्रों की 'थर्मल' जांच की जा रही है। इस बीच, दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पूर्वी दिल्ली के विनोद नगर में राजकीय सर्वोदय विद्यालय पहुंचे और छात्रों के साथ बातचीत की। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि एक नवंबर से स्कूल परिसर में कक्षाएं खुलेंगी, कक्षाएं ऑनलाइन तथा, ऑफलाइन यानी परिसर में, दोनों प्रकार से चलेंगी।

दिल्ली की हवा हुई बहुत खराब, दिवाली तक और बढ़ेगा प्रदूषण

नयी दिल्ली। दिल्ली के लोगों ने सोमवार को सुबह हल्की ठंड महसूस की। राष्ट्रीय राजधानी में इस दौरान न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से दो डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली में आज दिन में आसमान साफ रहेगा और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने की संभावना है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान एजेंसी सफर के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) इस दौरान बहुत खराब की श्रेणी में चला गया। राष्ट्रीय राजधानी में सुबह नौ बजे एक्यूआई 302 दर्ज किया गया। गौरतलब है कि शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब , तथा 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है। दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

14 वर्षीय लड़के के साथ बलात्कार, धमकी देने वाले न्यायाधीश और पुलिस पर केस दर्ज

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में 14 वर्षीय बालक के साथ कथित सामूहिक दुराचार मामले में न्यायाधीश और दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विशेष न्यायाधीश को और बालक को धमकाने के आरोप में पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उपाधीक्षक परमेश्वर लाल यादव को बालक को धमकाने के लिये तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जोधपुर उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से जारी आदेशानुसार विशेष न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार को दी चेतावनी, कहा- कृषि कानूनों को 26 नवंबर तक रद्द करें, नहीं तो...

लखनऊ (उप्र) (एजेंसी)।
गाजियाबाद।भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत ने सोमवार को कहा कि केंद्र के पास विवादित कृषि कानूनों को निरस्त करने के लिए 26 नवंबर तक का वक्त है और इसके बाद दिल्ली की सीमाओं पर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन को तेज़ किया जाएगा। केंद्र के तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसान दिल्ली के सिंघू, टीकरी और गाज़ीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे हैं जिसे 26 नवंबर को एक साल पूरा हो जाएगा। इन प्रदर्शनों की अगुवाई संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) कर रहा है जिसमें किसानों के कई संघ शामिल हैं।

बीकेयू भी एसकेएम में शामिल है और उसके समर्थक दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा पर गाज़ीपुर में धरना दे रहे हैं। बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता टिकैत ने ट्वीट किया, 'केंद्र सरकार के पास 26 नवंबर तक का समय है। उसके बाद 27 नवंबर से किसान गांवों से ट्रैक्टरों से दिल्ली के चारों तरफ आंदोलन स्थलों पर बॉर्डर पर पहुंचेंगे और पक्की किलेबंदी के साथ आंदोलन और आंदोलन स्थल को मजबूत करेंगे।'

किसानों की मांग है कि केंद्र सरकार तीन कृषि कानूनों- कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) अधिनियम 2020, कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार अधिनियम 2020 तथा आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम 2020 को रद्द करे और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने के लिए कानून बनाए। केंद्र और किसानों के बीच 11 दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन कोई हल नहीं निकला है। केंद्र सरकार का कहना है कि ये कानून किसानों के हित में हैं जबकि प्रदर्शनकारियों का दावा है कि ये कानून उन्हें उद्योगपतियों के रहमोकरम पर छोड़ देंगे।

राज्यों के स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दी बधाई, की उज्जवल भविष्य की कामना

नई दिल्ली (एजेंसी)।
राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, केरल के स्थापना दिवस पर सोमवार को लोगों को बधाई दी। आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और केरल राज्य के रूप में 1956 में अस्तित्व में आए थे जबकि हरियाणा 1966 और छत्तीसगढ़ 2000 में राज्य बने। राष्ट्रपति कोंविद ने ट्वीट किया, '' आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, पंजाब, लक्षद्वीप और पुडुचेरी के लोगों को उनके स्थापना दिवस पर बधाई। इन राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के उज्जवल भविष्य के लिये मेरी शुभकामनाएं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के वाराणसी आने की संभावना, प्रदेशभर के पदाधिकारियों को किया गया आमंत्रितह्य

वाराणसी (एजेंसी)।
केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मिशन 2022 को धार देने के लिए 12 नवंबर को वाराणसी के दौरा करने आ सकते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। अमित शाह प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में भाजपा के चुनावी समागम में शामिल होंगे और इसके साथ ही कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र भी देंगे। 12 नवंबर को होने वाले आयोजन के लिए प्रदेशभर के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है।

इसके साथ ही बैठक में वाराणसी के आठों विधानसभा की तैयारियों की रणनीति पर चर्चा के साथ ही शाह कार्यकर्ताओं को कुछ टिप्स भी देंगे। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री विधायकों की छवि, कार्य, उपलबधता, जनता का रुख आदि सभी की पूरी जानकारियां भी लेंगे। इसके अलावा अमित शाह प्रकोष्ठ की बैठक में शामिल होने के साथ ही बूथ प्रमुख, पन्ना प्रमुख, सोशल मीडिया और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। संभावना तो ये भी है कि अमित शाह विभिन्न जातियों के प्रमुखों से अलग-अलग मुलाकात करके पार्टी के जनाधार को और मजबूत करेंगे।

अमित शाह ने पिछले दिनों पार्टी मुख्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ डा. दिनेश शर्मा सहित अलग-अलग छह क्षेत्रों की जिम्मेदारी संभाल रहे सभी सह प्रभारियों के साथ बैठक भी की थी। बैठक में बुलाए गए सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों से अमित शाह ने फीडबैक लिया था। उनसे वर्तमान विधायकों की इमेज, कार्यों, उपलब्धता, जनता का रुख आदि की पूरी जानकारी ली।

जोधपुर के रशीद अब्दुल को भारी पड़ा पाकिस्तानी प्रेम, सलाखों के पीछे गुजारनी पड़ रही हैं रातें

जयपुर (एजेंसी)।
राजस्थान के जोधपुर में पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने वाले रशीद अब्दुल जेल की हवा खा रहा है। दरअसल, रशीद अब्दुल की जमानत के लिए शनिवार को अदालत में याचिका दाखिल हुई थी लेकिन सुनवाई टल गई। माना जा रहा है कि मामले की सुनवाई सोमवार को हो सकती है। हालांकि अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं है।

28 अक्टूबर को हुई थी गिरफ्तारी

राजस्थान के रशीद अब्दुल को पाकिस्तान के प्रति प्रेम दिखाना काफी महंगा पड़ा और 28 अक्टूबर को रशीद अब्दुल की गिरफ्तारी हुई थी। 23 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला खेला गया था। इस मुकाबले को पाकिस्तान ने 10 विकेट से जीत लिया था। यह टी20 विश्व कप में पहली दफा था जब पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ किसी मुकाबले को जीता था।

भारत में पाकिस्तान को मिली जीत का कुछ लोग जश्न मना रहे थे। जिसके मामले उत्तर प्रदेश और राजस्थान से सामने आए। उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थित एक कॉलेज से 3 कश्मीरी छात्रों को गिरफ्तार किया गया और उन पर यूएपीए की धाराएं जोड़ी गईं। वहीं राजस्थान में भी गिरफ्तारियां हुईं।

जोधपुर के रशीद अब्दुल ने व्हाट्सऐप पर कथित स्टेटस लगाया था। इतना ही नहीं किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके स्टेटस पर सवाल खड़ा किया तो इस पर उसने जवाब दिया कि आज वो बहुत खुश है। जिसके बाद पाकिस्तान के प्रति प्रेम दिखाना रशीद अब्दुल को भारी पड़ गया और जेल की हवा खानी पड़ी।

अखिलेश पर ओवैसी का पलटवार, कहा- जिन्ना से हमारा कोई ताल्लुक नहीं, इससे कोई एक तबका खुश नहीं होगा

लखनऊ। (एजेंसी)।
उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी दल अपने-अपने समीकरणों को साधने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में अखिलेश यादव ने पाकिस्तान के पहले गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना का अपनी रैली में जिक्र कर दिया। जिसके बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर से बवाल मच गया है। अखिलेश के जिन्ना वाले बयान पर एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार किया है। अपने बयान में ओवैसी ने कहा कि भारत के मुसलमान ने 1947 में फैसला कर लिया था कि वो पाकिस्तान नहीं जाएंगे। जिन्ना से हमारा कोई ताल्लुक़ नहीं है। अखिलेश यादव को ये समझना चाहिए कि वो ये बात करके सोच रहे हैं, कोई एक तबका इससे खुश होगा तो वो ग़लत हैं।

आपको बता दे कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने हरदोई की एक जनसभा में मोहम्मद अली जिन्ना की, भारत की आजादी के लिए उनके योगदान की सराहना की थी। सपा प्रमुख ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और (मोहम्मद अली) जिन्ना ने एक ही संस्थान से पढ़ाई की और बैरिस्टर बने और उन्होंने आजादी दिलाई। उन्हें आजादी के लिए किसी भी तरीके से संघर्ष करना पड़ा होगा तो पीछे नहीं हटे। उन्होंने राष?ट्रीय स?वयंसेवक संघ का नाम लिए बिना कहा अगर कोई विचारधारा (आरएसएस की) है जिस पर प्रतिबंध लगाया गया था तो वह लौह पुरुष सरदार पटेल थे जिन्होंने प्रतिबंध लगाने का काम किया था।

दिल्ली में डेंगू का कहर! मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हुई, कुल मामले 1530 के पार

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में डेंगू से पांच और लोगों की मौत के बाद, इस बीमारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई, जबकि अभी तक इसके 1530 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। एक नगर निकाय की ओर से सोमवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में 2017 के बाद से, डेंगू से मौत के यह सर्वाधिक मामले हैं। 2017 और 2016 में डेंगू से 10- 10 लोगों की मौत हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में इस साल सामने आए कुल मामलों में से अक्टूबर में ही 1196 मामले सामने आए। नगर निकाय की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में 30 अक्टूबर तक डेंगू से छह लोगों की मौत हुई और कुल 1537 मामले सामने आए, जो कि 2018 में इस अवधि में सामने आए मामलों के बाद से सर्वाधिक है। इस साल, सितंबर में डेंगू के 217 मामले सामने आए थे, जो कि पिछले तीन साल में इस महीने में सामने आए सर्वाधिक मामले थे। आंकड़ों के अनुसार, एक अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच सामने आए डेंगू के 1196 मामले पिछले तीन साल में सर्वाधिक हैं। 2020 में इस महीने में 612 और 2019 में 1069 मामले सामने आए थे। इससे पहले 2018 में 1595 मामले सामने आए थे। शहर में मच्छर जनित बीमारियों का आंकड़ा एकत्रित कर रहे दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में डेंगू के कुल 1072 मामले सामने आए थे और इससे एक व्यक्ति की मौत हुई थी। एसडीएमसी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, डेंगू से 2019 में दो, 2018 में चार, 2017 में 10 और 2016 में भी 10 लोगों की मौत हुई थी।

नरेन्दर मोदी पांच नवंबर को केदारनाथ से हिमाचल के मंडी के भूतनाथ मंदिर लाइव दर्शन कर वर्चुअल माध्यम से श्रद्धालुओं से भी रूबरू होंगे

मंडी। (एजेंसी)।
देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश के मंडी के प्रसिद्ध बाबा भूतनाथ के लाइव दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पांच नवंबर को केदारनाथ धाम से ही देश के प्रमुख मंदिरों के लाइव दर्शन करने जा रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से श्रद्धालुओं से भी रूबरू भी होंगे।

इसके लिये देश के विभिन्न मंदिरों की सूची में हिमाचल प्रदेश के ज्वालामुखी और छोटी काशी के तौर पर मंडी नगर के अधिष्ठता बाबा भूतनाथ भूतनाथ मंदिर को भी शामिल किया गया है। शैव मत से प्रभावित इस पहाड़ी रियासत की आधुनिक राजधानी की स्थापना बाबा भूतनाथ के मंदिर के निर्माण के साथ ही हुई है। इसके अलावा शिव नगरी मंडी में त्रिलोकीनाथ, महामृत्युंजय, पंचवक्त्र, अर्धनारीश्वर, नीलकंठ, शिव शंभू महादेव, एकादश रुद्र महादेव, रुद्र महादेव आदि अनेक शिव मंदिर हैं, जो बाबा भूतनाथ की नगरी को छोटीकाशी के रूप में पहचान दिलाते हैं। अब 12 ज्योतिर्लिंगों वाले शिवराम की स्थापना से छोटी काशी पर्यटन के मानचित्र पर नए आयाम स्थापित करेगी।

उपायुक्त मंडी अरिंदम चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री के इस लाइव दर्शन कार्यक्रम के लिए पूरी व्यवस्था की जा रही है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री की ओर से बाबा भूतनाथ मंदिर के लाइव दर्शनों के बाद विश्व पटल पर मंडी को पहचान मिलेगी। बाबा भूतनाथ का मंदिर 500 साल पुराना बताया जाता है। राजा अजबर सेन ने इसकी स्थापना की थी। छोटी काशी मंडी में बनने वाला शिव धाम भव्यता और दिव्यता में किसी अजूबे से कम नहीं है। मंडी के कांगणीधार में साढ़े नौ हेक्टेयर क्षेत्र में बनने वाला उत्तर भारत का यह पहला ऐसा धार्मिक पर्यटन

स्थल है, जो बाहर से आने वाले पर्यटकों के अलावा स्थानीय लोगों के आकर्षण का केंद्र भी होगा।

हाल ही में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शिव धाम की सौगात देकर छोटी काशी मंडी को धार्मिक पर्यटन के आकर्षण का केंद्र बनाने का सपना साकार किया है। इस अनूठी परियोजना से देश-दुनिया में मंडी धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से उभरेगा। शिव धाम से दुनियाभर के पर्यटकों के लिए मंडी में पर्यटन गंतव्य का नया स्वरूप देखने को मिलेगा।

इस अनूठी परियोजना से देश-दुनिया में मंडी धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से उभरेगा। शिव धाम से दुनियाभर के पर्यटकों के लिए मंडी में पर्यटन गंतव्य का नया स्वरूप देखने को मिलेगा। मंडी में शिव धाम से विकास को नए आयाम मिलेंगे। इस परियोजना से लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। शिवधाम पर करीब 150 करोड़ की धनराशि को खर्च की जाएगी। राज्य सरकार ने पहले चरण के कार्य के लिए 40 करोड़ के बजट का प्रावधान भी कर दिया है।

देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 248 दिनों में सबसे कम, 12,514 नए मामले

नयी दिल्ली (एजेंसी)।
नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में 12,514 लोगों के कारोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद महामारी के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 3,42,85,814 हो गयी है जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घट कर 1,58,817 हो गयी है जो 248 दिनों में सबसे कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 251 मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,58,437 हो गयी है। संक्रमण के रोज आने वाले मामले लगातार 24वें दिन 20,000 से कम और लगातार 127वें दिन 50,000 से कम हैं।

मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.46 प्रतिशत है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले मरीजों की दर 98.20 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 455 की कमी दर्ज की गयी है। आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 3,36,68,560 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है। रविवार को कोविड-19 के लिए 8,81,379 नमूनों की जांच किए जाने के साथ ही अब तक जांच किए गए कुल नमूनों की संख्या 60,92,01,294 हो गयी है। संक्रमण की दैनिक दर 1.42 प्रतिशत है। यह पिछले 28 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 1.17 प्रतिशत दर्ज की गयी जो पिछले 38 दिनों से दो प्रतिशत से कम है।

देशव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत 106.31 करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे। देश में जिन 251 और मरीजों ने जान गंवाई है उनमें से 167 लोगों की मौत केरल में और 20 की महाराष्ट्र में हुई।

अभी तक इस महामारी से देश में कुल 4,58,437 लोगों की मौत हुई है जिनमें से महाराष्ट्र में 1,40,216 लोगों की, कर्नाटक में 38,082 लोगों की, तमिलनाडु में 36,116 लोगों की, केरल में 31,681 लोगों की, दिल्ली में 25,091 लोगों की, उत्तर प्रदेश में 22,900 लोगों की और पश्चिम बंगाल में 19,141 मरीजों की मौत हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

मंदिरों को राज्य सरकारों के नियंत्रण से मुक्त कराए केंद्र सरकार-VHP

हैदराबाद। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंदिरों और धार्मिक संस्थानों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए केंद्र सरकार से इस संबंध में कानून बनाने की अपील की है। इसके अलावा विहिप ने मतांतरण विरोधी कानून की भी मांग की है।

विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि संगठन ने सभी राज्य सरकारों से मंदिरों को हिंदू समाज को सौंपने का आह्वान किया है। केंद्र सरकार से इस संबंध में एक कानून बनाने का अनुरोध भी किया गया है।

कुमार ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बड़े पैमाने पर मतांतरण होने का दावा करते हुए इसको लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ये मतांतरण लालच, धोखे और भय से प्रेरित हैं। विहिप ऐसे मतांतरण का पूरी ताकत से विरोध करेगी और मतांतरित भाइयों और बहनों को हिंदू धर्म में वापस लाने के लिए अपने अभियान को तेज करेगी।

कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों की तरह तेलंगाना सरकार को भी मतांतरण विरोधी कानून पारित करना चाहिए। हमने केंद्र सरकार से भी मत परिवर्तन के खिलाफ कानून बनाने के लिए कहा है।

विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि हमने केंद्र सरकार से मतांतरण के खिलाफ कानून बनाने के लिए कहा है और इस दिशा में अपने प्रयास शुरू किए हैं। हम अपने प्रयासों को तेज करेंगे। सरकार को इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया है और हमें उम्मीद है कि वह इस पर विचार करेगी।

विहिप नेता ने तेलंगाना सरकार से गायों की रक्षा के लिए कानून बनाने की मांग की। उनके मुताबिक तेलंगाना में गोहत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं।

जाति-धर्म के चक्रव्यूह में फंसे वानखेड़े को मिला एससी आयोग का समर्थन

कहा-ईमानदार अधिकारी पर आरोप लगाना गलत

मुंबई। क्रूज ड्रग्स मामले के जांच अधिकारी समीर वानखेड़े की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। एनसीबी की विजिलेंस टीम जहां समीर वानखेड़े के ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच में जुटी हुई है, वहीं महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक उनके धर्म और जाति पर सवाल उठाकर घेरने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच वानखेड़े को थोड़ी राहत तब मिली जब राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलदर और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने उनका समर्थन किया।

ईमानदार अधिकारी पर आरोप लगाना गलत-अरुण हलदर

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलदर ने कहा है कि समीर वानखेड़े ने जो काम किया है वह एनसीबी के लिए गर्व की बात है। वानखेड़े ने हमेशा ईमानदारी से काम करने की कोशिश की जिसके चलते वह राजनीतिक तूफान के फंस गए। उन्होंने कहा कि वानखेड़े पर व्यक्तिगत आरोप लगाना गलत है।

वानखेड़े की शादी अंतरधार्मिक विवाह में मान्य-अरुण हलदर

अरुण हलदर रविवार को समीर वानखेड़े के घर पहुंचे थे और जाति से संबंधित प्रमाण पत्र की जांच करने के बाद कहा कि उन्होंने जो कागजात

दिखाए उन्हें देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि वह अनुसूचित जाति के महार समाज से संबंध रखते हैं। उन्होंने बताया कि समीर की मां मुस्लिम थी जिनका देहांत हो चुका है और उनकी पहली शादी मुस्लिम महिला से हुई थी जिसका पंजिकरण स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत हुआ था। अरुण हलदर ने कहा कि यह विवाह अंतरधार्मिक विवाह में मान्य है।

वानखेड़े आरक्षण के माध्यम से IRS बने-रामदास अठावले

वानखेड़े परिवार से मुलाकात के बाद अठावले ने कहा कि एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े पर जानबूझकर हमले किए जा रहे हैं, उनके व्यक्तिगत जीवन में जाकर फोटो वायरल किए जा रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से मैं नवाब मलिक को बताना चाहता हूं कि आपको समीर वानखेड़े और उनके परिवार को बदनाम करने का षड्यंत्र रोकना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी पूरी ताकत से समीर वानखेड़े के पीछे रहेगी। समीर वानखेड़े दलित समाज के हैं और उनको आरक्षण लेने का अधिकार है, वो आरक्षण के माध्यम से IRS बने हैं। नवाब मलिक के आरोप में बिल्कुल तथ्य नहीं है।

वानखेड़े जन्मजात मुसलमान-नवाब मलिक

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने रविवार को कहा कि मैं अपने बात पर अब भी कायम हूं कि वो एससी सर्टिफिकेट में फर्जीवाड़ा करके उस पद पर बैठे हैं, उन्होंने एक गरीब एससी का अधिकार छीना है। उन्होंने कहा कि यह बात भी बिल्कुल सच है कि समीर वानखेड़े ने धर्म परिवर्तन नहीं किया क्योंकि वे जन्म से मुसलमान हैं, उनके पिता ने धर्म परिवर्तन किया था।

हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए कानून बनाने का किया आग्रह

हैदराबाद। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने केंद्र से हिंदू मंदिरों और धार्मिक संस्थानों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए एक कानून बनाने का आग्रह किया है। इसके साथ ही संगठन ने धर्मांतरण विरोधी कानून की भी मांग की है।

संगठन ने केंद्र से धर्मांतरण विरोधी कानून बनाने की भी मांग की

विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने रविवार को यहां बताया कि संगठन ने सभी राज्य सरकारों से हिंदू मंदिरों को हिंदू समाज को सौंपने का आह्वान किया है और केंद्र सरकार से इस संबंध में एक कानून लाने का अनुरोध किया है। उन्होंने धर्मांतरण पर चिंता जताते हुए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सामूहिक धर्मांतरण का दावा किया। उन्होंने कहा, ये धर्मांतरण प्रलोभन, धोखा और डर के जरिये कराया जा रहा है। विहिप इस तरह के धर्मांतरण का पूरी ताकत से विरोध करेगा और धर्मांतरित भाइयों और बहनों को हिंदू धर्म में वापस लाने के अपने अभियान को तेज करेगा। कुमार ने कहा कि तेलंगाना सरकार को भी उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों की तरह धर्मांतरण विरोधी कानून पारित करना चाहिए।

विहिप अध्यक्ष ने कहा कि हमने केंद्र सरकार से धर्मांतरण के खिलाफ कानून बनाने के लिए कहा है।

इस बारे में हमने सरकार को एक अभ्यावेदन भी दिया है। उम्मीद है कि सरकार इस पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि विहिप दोनों मुद्दों पर जनजागरण कार्यक्रम शुरू करेगी। उन्होंने तेलंगाना सरकार से गायों और उनकी संतानों की रक्षा के लिए कानून लाने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य में गायों की हत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं।

प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से जोखिम वाले जिलों में रहते हैं 80 प्रतिशत से अधिक भारतीय

नई दिल्ली। असम, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और बिहार बाढ़, सूखा-चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से सबसे ज्यादा जोखिम वाले राज्य हैं। यह जानकारी क्लाइमेट वल्नेरेबिलिटी इंडेक्स (जलवायु सुभेद्यता सूचकांक) से सामने आई है। काउंसिल आन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) की तरफ से जारी इस इंडेक्स के मुताबिक देश के 27 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जोखिम की चपेट में हैं। 80 प्रतिशत से अधिक भारतीय जोखिम वाले जिलों में रहते हैं। इंडिया क्लाइमेट कोलेबोरेटिव एंड एडलगिव फाउंडेशन की ओर से समर्थित इस अध्ययन में कहा गया है कि भारत के 640 जिलों में से 463 जिले अत्यधिक बाढ़, सूखे और चक्रवात के जोखिम के दायरे में हैं। इनमें 45 प्रतिशत से अधिक जिले अस्थिर परिदृश्य और बुनियादी ढांचे में बदलावों का सामना कर चुके हैं। 183 हाटस्पाट (सबसे ज्यादा घटनाओं वाले) जिले जलवायु संबंधी एक से अधिक चरम घटनाओं के लिए अत्यधिक जोखिम की चपेट में हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया है कि 60 प्रतिशत से अधिक भारतीय जिलों में मध्यम से निम्न स्तर तक की अनुकूलन क्षमता मौजूद है। सीईईडब्ल्यू के प्रोग्राम लीड और

अध्ययन के मुख्य लेखक अबिनाश मोहंती का कहना है कि भारत में 2005 के बाद से जलवायु संबंधी चरम घटनाओं की दर और तीव्रता लगभग 200 प्रतिशत बढ़ गई है। नीति-निर्माताओं, उद्योगों के नेतृत्वकर्ताओं और नागरिकों को जोखिम को ध्यान में रखकर प्रभावी निर्णय लेने के लिए जिलास्तरीय विश्लेषण का उपयोग करना चाहिए। भौतिक और पारिस्थितिक तंत्र के बुनियादी ढांचे को जलवायु परिवर्तन के जोखिम से सुरक्षित बनाना, अब एक राष्ट्रीय आवश्यकता बन जाना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरणीय जोखिम को घटाने के अभियान में तालमेल लाने के लिए एक नया क्लाइमेट रिस्क कमीशन गठित करना चाहिए। सीईईडब्ल्यू का अध्ययन बताता है कि भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए बाढ़ का जबकि मध्य और दक्षिण भारत के राज्यों के लिए भीषण सूखे का जोखिम सबसे ज्यादा है। पूर्वी और दक्षिणी राज्यों में कुल जिलों में क्रमशः 59 और 41 प्रतिशत जिले भीषण चक्रवातों के जोखिम की चपेट में हैं। अध्ययन के अनुसार, केवल 63 प्रतिशत जिलों के पास ही जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) उपलब्ध है। चूंकि, इन योजनाओं को प्रति वर्ष अद्यतन बनाने की जरूरत होती है, इस लिहाज से 2019 तक इनमें से सिर्फ 32 प्रतिशत जिलों ने ही अपनी योजनाएं अपडेट की थी।

गबन मामले को रद्द करने का जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने पलटा

एनआरएचएम में महंगे दामों पर घटिया मेडिकल किट खरीद और गबन के एक मामले में जम्मू कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम व आपराधिक षड़यंत्र रचने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई थी और मुकदमे की कार्यवाही जारी थी। इसे अब आगे भी जारी रखा जाएगा।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) में महंगे दामों पर घटिया मेडिकल किट खरीद और गबन के एक मामले में जारी जांच व केस रद्द करने के जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट के आदेश को पलट दिया है। इस मामले में जम्मू कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम व आपराधिक षड़यंत्र रचने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई थी और मुकदमे की कार्यवाही जारी थी। इसे अब आगे भी जारी रखा जाएगा। 2010-11 में सरकारी धन के गबन के आरोप लगने के बाद एसएसपी द्वारा एफआईआर दर्ज कर जांच के आदेश दिए गए थे। एक इंस्पेक्टर द्वारा जांच की जा रही थी। इसे लेकर 2018 में आए हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। जस्टिस

एमआर शाह और जस्टिस एएस बोपन्ना ने कहा कि हाईकोर्ट ने अपने आदेश में भारी गलती की। मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने पर यह नजर आता है कि जांच जारी रखी जा सकती थी।

यूपी समेत कई राज्यों में बढ़ा डेंगू का प्रकोप, दिल्ली सरकार ने डेंगू और मलेरिया को महामारी एक्ट में किया अधिसूचित

नई दिल्ली। मच्छर जनित बीमारी डेंगू का कहर बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में कहर ढाने के बाद इस बीमारी ने कई अन्य राज्यों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। दिल्ली सरकार ने तो चिकनगुनिया व मलेरिया के साथ डेंगू को भी महामारी एक्ट के तहत अधिसूचित रोग घोषित कर दिया है। दिल्ली के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की तरफ से जारी अधिसूचना के तहत अब सभी सरकारी व निजी अस्पतालों को कोरोना और टीबी की तरह ही डेंगू, चिकनगुनिया व मलेरिया के हर मरीज की जानकारी नोडल सिविक एजेंसी को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इससे प्रभावित इलाकों में बीमारी की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकेंगे। महानिदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मच्छर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभारी को इस संबंध में सभी सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रभारी ही सभी सिविक एजेंसियों के बीच समन्वय का काम करेंगे। सिविक एजेंसियों

की जिम्मेदारी होगी कि वे मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के लिए कहीं पानी जमा न होने दें और साफ-सफाई सुनिश्चित कराएं। नए मकान में मच्छरों को रोकने की व्यवस्था जरूरी नए मकान में मच्छररोधी प्रणाली आवश्यक कर दी गई है। यदि किसी नए सरकारी व निजी भवन में मच्छरों को रोकने की व्यवस्था नहीं की गई है तो उसका कब्जा नहीं मिलेगा। कब्जा लेने के लिए अब संबंधित सिविक एजेंसी से प्रमाण पत्र लेना होगा। कई अन्य सख्त प्रविधान किए गए हैं।

राजस्थान में बढ़े मरीज

राजस्थान में छह हजार से ज्यादा डेंगू के मरीज मिल चुके हैं। पिछले तीन दिन में ही एक हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। दो दिन पहले 29 अक्टूबर को एक दिन में 593 डेंगू के मरीज मिले थे। राज्य में 35 लोगों की मौत की बात सामने आई है। हालांकि सरकार मौतों की संख्या 23 ही बात रही है। राज्य के चिकित्सा मंत्री डा. रघु शर्मा ने ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग और सैंपलिंग के निर्देश दिए हैं। घर-घर सर्वे का काम तेज किया गया है। सर्वाधिक 1900 मरीज जयपुर जिले में मिले हैं।

पंजाब में अब तक 61 की मौत

पंजाब में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। राज्य में डेंगू के मरीजों की संख्या 16 हजार को पार कर गई है, जबकि 61 लोगों की जान जा चुकी है। 12 हजार केस सिर्फ तीस दिन के अंदर ही आए हैं। इससे पहले एक साल में सबसे अधिक मामले 2017 में दर्ज किए गए थे। तब 15, 398 लोग संक्रमित हुए थे और 18 लोगों की मौत हुई थी। मोहाली सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां 2,457 मरीज मिले हैं और 31 मौते हुई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि पंजाब सरकार को स्थिति की गंभीरता समझनी चाहिए। इस प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए तत्काल उपाय करने चाहिए। त्योहारों को देखते हुए अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में खुलासा-देश में हर रोज 31 बच्चे कर रहे खुदकुशी, विशेषज्ञों ने बताई यह वजह

नई दिल्ली। भारत में प्रतिदिन 31 बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार साल 2020 में 18 वर्ष से छोटे 11,396 बच्चों ने अपना जीवन खत्म कर लिया। यह संख्या 2019 के मुकाबले 18 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 महामारी से उनकी मानसिक सेहत को काफी नुकसान हुआ है। इसके दिए सदमों से ही बच्चों की आत्महत्या बढ़ीं।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों की आत्महत्या की यह संख्या 2 साल पहले से भी 21 प्रतिशत अधिक है। 2019 में 9,613 और 2018 में 9,413 बच्चों ने आत्महत्या की थी। यानी इन दो वर्षों में यह दुखद संख्या करीब 200 बढ़ी थीं। लेकिन 2020 के दुर्भाग्यपूर्ण समय में इससे कहीं अधिक 1,783 ज्यादा बच्चों ने अपना जीवन खत्म किया।

दो वर्षों में जहां 2.12 प्रतिशत वृद्धि हुई

इस लिहाज से इन दो वर्षों में जहां 2.12 प्रतिशत वृद्धि हुई थी, 2020 में इससे करीब आठ गुना तेज वृद्धि हुई। इस साल मरने वाले बच्चों में 5,392 लड़के और 6,004 लड़कियां हैं। लड़कियों की संख्या अधिक होने के पीछे पारिवारिक तनाव और प्रेम संबंधों में

असफलता को बताया गया है।

आत्महत्या की प्रमुख वजहें
पारिवारिक समस्याएं-4006
प्रेम संबंध-1337
बीमारी-1327

अन्य-कमजोर आर्थिक स्थिति, मादक पदार्थों का उपयोग, वैचारिक कारण, बेरोजगारी अन्य वजहें रहीं।

1783 यानी आठ गुना ज्यादा ने 2020 में अचानक की आत्महत्या

विशेषज्ञों ने कहा स्कूल बंद, मन की बात वाले दोस्त दूर, बुरा असर होना ही था

वजह

बाल संरक्षण से जुड़े सेव द चिल्ड्रन संस्था के उपनिदेशक प्रभात कुमार के अनुसार महामारी में स्कूल बंद रहने और घर के बड़ों को चिंता में देखकर बच्चों का भी मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ा। परिवार में बच्चों की मानसिक देखरेख और उन्हें ज्यादा सहयोग न दे पाना भी अवसाद के बड़े कारण रहे हैं।

परिणाम-क्राय संस्था में नीतिगत रिसर्च निदेशक प्रीति महारा ने कहा महामारी का बुरा असर बच्चों पर दूसरे तरीकों से भी होगा। बच्चों ने कड़े मानसिक सदमे सहे, जिन्हें शायद हम सब समझ नहीं पाए। वे घरों में कैद थे, यह उनके कोमल मन के लिए घातक साबित हुआ।

सुधार-सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अखिला सिवादास के अनुसार बच्चों के लिए बेहतर देखभाल और काउंसलिंग का मॉडल भारत में बनाना होगा। यह उनके लिए काफी हद तक अच्छा होगा।

सिफारिश-मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ पोद्दार फाउंडेशन की प्रकृति पोद्दार बताती हैं कि हर बच्चा विकट हालात से अपनी तरह से जूझता है, इसी के अनुसार जरूरत होने पर उन्हें काउंसलिंग जरूर मिलनी चाहिए।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com